बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

संस्कार उजाला
www.sanskarujala.com
SANSKAR UJALA
सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 215 | सोमवार 25 नवंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

मोदी बोले: महाराष्ट्र ने कुर्सी फर्स्ट को नकारा

कहा- एक हैं तो सेफ हैं, कोई ताकत 370 वापस नहीं ला सकती

नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद भाजपा मुख्यालय पहुंचे पीएम मोदी ने कहा- महाराष्ट्र देश का 6वां राज्य है जिसने भाजपा को लगातार तीन बार जनादेश दिया है। गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा और एमपी में हम लगातार तीन बार जीत चुके हैं। बिहार में भी ठऊअ को तीन बार लगातार जनादेश मिला है। मोदी बोले- महाराष्ट्र ने कुर्सी फर्स्ट वालों को नकारते हुए डंके की चोट पर कहा- एक हैं तो सेफ हैं। अपने 49 मिनट के भाषण की शुरूआत पीएम मोदी ने जय भवानी, जय शिवाजी के नारे के साथ की और समापन भारत माता की जय और वंदेमातरम से किया। मोदी ने अपने भाषण में महाराष्ट्र, कांग्रेस, अर्थव्यवस्था और विकास समेत कई मुद्दों पर बात की। इससे पहले भाजपा मुख्यालय पहुंचने पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनका स्वागत किया। जेपी नड्डा ने कहा- आज का दिन ऐतिहासिक है। इसका श्रेय मोदी को जाता है। जनता ने पीएम मोदी की राष्ट्र सेवा पर मुहर लगाई है। महाराष्ट्र की जनता ने 2019 में भी भाजपा को जनादेश दिया था, लेकिन तब उद्धव ठाकरे की सत्ता की लालच ने जनता के आदेश का अपमान किया था। महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन एकतरफा जीत मिली है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन 60 से कम सीटों पर सिमट रहा है। हालांकि, झारखंड झामुमो गठबंधन बढ़त बनाए हुए है। भाजपा गठबंधन पीछे है। मोदी बोले- केवल 10 सालों में हमने भारत को दुनिया की सबसे 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। वो दिन दूर नहीं जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर रहेगा। हम मिलकर आगे बढ़ेंगे। एकजुट होकर आगे बढ़ेंगे। तो हर लक्ष्य पाकर रहेंगे। इसी भाव के साथ... एक हैं तो सेफ हैं.... भारत माता की जय... वंदे मारतम। पीएम ने कहा- भाजपा का हर कार्यकर्ता देश के विकास में जुटा है। आप विश्वास इसको और मजबूत करता है। हमारे प्रतिनिधि विकास के संकल्प के प्रतिबद्ध हैं। हमें सेवक बनकर देश के हर नागरिक की सेवा करनी है। उन सपनों को पूरा करना है जो देश की आजादी के मतबालों ने भारत के लिए देखे थे। हमें मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार करना है। मोदी बोले- मैं एक लाख ऐसे युवाओं को बीजेपी में लाना चाहता हूं जिनके परिवार का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को आज जनता ने समर्थन दिया है। लोकतंत्र में जय-पराजय चलती रहेगी। चुनाव आएंगे-जाएंगे। भाजपा का ध्येय देश बनाने का है। केवल सरकार का बनाने का नहीं है। हम विकसित भारत बनाने केलिए निकले हैं। मोदी बोले- आज का शहरी भारत इज ऑफ लिविंग चाहता है, इसके लिए उनका भरोसा बीजेपी-एनडीए पर है।

भारतीय मूल के लोग दुनिया में हर क्षेत्र में आगे'मोदी

पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में युवाओं से खास अपील की।

नई दिल्ली। : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के दौरान कहा कि विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदायों के व्यक्तित्व में भारतीयता गहराई से समाहित है। पीएम मोदी ने जोर देते हुए कहा कि भारतीय मूल के लोग अपने निवास वाले देशों में हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने भारतीय विरासत को जीवित रखा है। दरअसल, पीएम मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 116वें एपिसोड को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने देश के नागरिकों से भारतीय प्रवासियों की प्रेरक कहानियों और दुनिया में उनके योगदान को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी के साथ उन्होंने देश के युवाओं से खास अपील भी की। युवाओं से पीएम मोदी की अपील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में देश के युवाओं से खास अपील की। उन्होंने कहा कि मैं पूरे महीने इस खास दिन का इंतजार करता हूं जब देश के लोगों से सीधा संवाद कर सकूं। पीएम मोदी ने आज के कार्यक्रम में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महत्व पर भी प्रकाश डाला। पीएम मोदी ने देश के युवाओं से इसमें शामिल होने का आग्रह भी किया। पीएम मोदी ने कहा कि एनसीसी युवाओं के समग्र व्यक्तिगत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और उसके जीवन को समृद्ध करेगा।पीएम मोदी ने कहा कि आज का दिन बेहद खास है। आज एनसीसी दिवस है। एनसीसी का नाम आते ही मुझे कॉलेज के दिन याद आ जाते हैं। मैं खुद एनसीसी का कैडेट रहा हूं। यही वजह है कि पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इससे मिले अनुभव मेरे लिए अनमोल हैं। एनसीसी युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व व सेवा की भावना पैदा करती है। इस वजह से मैं देश के नौजवानों से आग्रह करता हूं कि वे बड़ी संख्या में एनसीसी में शामिल हों।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरूरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

[सुविचार]

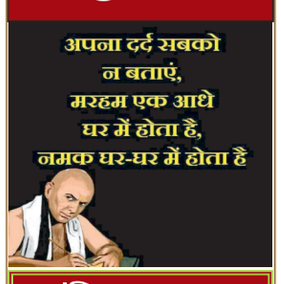

संक्षिप्त समाचार

नौसेना के बेड़े में शामिल हुई छठी मिसाइल-गोला बारूद नौका

नई दिल्ली। मुंबई डॉकयार्ड में आयोजित एक समारोह में छठी मिसाइल और गोला बारूद नौका (एलएसएएम-12, यार्ड 80) नौसेना को सौंपी गई। इस बाबत आयोजित किए गए समारोह की अध्यक्षता नौसेना की पश्चिमी कमांड के मुख्यालय के मुख्य मरम्मत अधिकारी कमोडोर अभिरूप मजूमदार ने की। नौसेना ने बताया कि ऐसी कुल आठ नौकाओं के निर्माण के लिए विशाखापट्टनम की मैसर्स सेकॉन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया एक समझौता इस साल 19 फरवरी 2024 को पूरा हो गया था। यह एक एमएसएमई शिपयार्ड है। इन नौकाओं के नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल होने से उसकी परिचालन क्षमता में वृद्धि होगी। क्योंकि इनकी मदद से बंदरगाह के किनारे और बाहरी बंदरगाहों पर भारतीय नौसेना के प्लेटफार्मों तक वस्तुओं, गोला बारूद के परिवहन, चढ़ने और उतरने में सुविधा होगी। नौसेना ने कहा कि नौकाओं का स्वदेशी रूप से डिजाइन करने के लिए एक भारतीय जहाज डिजाइनिंग फर्म से सहयोग लिया गया था। इसके अलावा बल की विज्ञान-तकनीकी प्रयोगशाला (विशाखापट्टनम) में इनका सफलतापूर्वक मॉडल तैयार किया गया। जिससे इनकी समुद्री योग्यता सुनिश्चित की जा सके। इस निर्माण कार्य को भारतीय नौवहन रजिस्टर (आईआरएस) के तय नियमों और विनियमों के तहत किया गया है। सातों नौकाएं केंद्र सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की पहल की गौरवशाली ध्वजवाहक हैं।

मंत्रियों और विधायकों के घरों को लूटने और आगजनी करने वाले 7 और गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी में विधायकों के आवासों पर हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटना में शामिल होने के आरोप में सात और लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। पुलिस की ओर से जारी बयान में कहा गया कि काकचिंग जिले से शुक्रवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बयान में कहा गया है कि इस मामले में सात और लोगों की गिरफ्तारी के साथ अब तक कुल 41 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि 16 नवंबर को प्रदर्शन के दौरान मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति लूटने में शामिल संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सीएम ने कहा कि लोकतांत्रिक आंदोलन के नाम पर कुछ गिरोहों ने मंत्रियों और विधायकों के घरों में लूटपाट और आगजनी की। सीसीटीवी फुटैज के जरिए संदिग्धों की पहचान कर ली गई है और उचित कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से यह कहते हुए शर्म आती है कि मणिपुर में ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

पीएम मोदी के दीवाने हुए ट्रूडो: भारत को घेरने वाले अब अपने ही अफसरों को बता रहे क्रिमिनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के दीवाने हो गए है। निज्जर की हत्या के मामले में जो सवाल कनाडा ने उठाए थे उसको लेकर कनाडा अब पूरी तरह बैकफुट पर आ गया है। खालिस्तान प्रेम में डूबे जस्टिन ट्रूडो की अक्ल ठिकाने आ गई है। ऐसा लगता है कि उन्हें भारत से पंगा लेने का अहसास होने लगा है। भारत की सख्ती का असर देखिए कि कनाडा के तेवर नरम हो चुके हैं। पहले कनाडा सरकार ने निज्जर कांड पर बैकफुट पर आई। अब खुद जस्टिन ट्रूडो को उनके ही अपने अधिकारी क्रिमिनल लगने लगे हैं। जी हां, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने ही खुफिया अधिकारियों को 'अपराधी' कह दिया। क्योंकि,फर्जी रिपोर्ट में निज्जर हत्याकांड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जयशंकर के नाम को घसीटा गया था।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रूडो से सवाल किया गया कि कैसे कनाडा का एक प्रमुख अखबार बिना सबूत के कोई खबर छाप सकता है? इस पर ट्रूडो ने कहा, 'दुर्भाग्य से हमने देखा है कि मीडिया को टॉप-सीक्रेट जानकारी लीक करने वाले अपराधी लगातार गलत खबरें फैलाते रहे हैं। यही वजह है कि हमने विदेशी दखल पर एक राष्ट्रीय जांच की थी। इस जांच में यह बात सामने आई थी कि मीडिया संस्थानों को जानकारी लीक करने वाले अपराधी न केवल अपराधी होते हैं बल्कि वे अविश्वसनीय भी होते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर मेरा पहला काम कनाडा के लोगों को सुरक्षित रखना है।

यह पहली बार है जब कनाडा के मीडिया ने पीएम मोदी को इस मामले में घसीटा है, जो पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों में एक महत्वपूर्ण घटना है। हालांकि रिपोर्ट में अधिकारी की पहचान नहीं बताई गई। रिपोर्ट में यह जरूर कहा गया कि सूत्र ने स्वीकार किया कि कनाडा के पास कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं है कि नरेंद्र मोदी जानते थे। हालांकि, भारत ने पहले ही इस मीडिया रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। हालांकि, बाद में कनाडा सरकार ने सफाई दी कि नरेंद्र मोदी, एस जयशंकर और अजीत डोभाल का निज्जर हत्याकांड से न तो कोई कनेक्शन है और न कोई सबूत.. कनाडा सरकार ने पीएम मोदी को निज्जर की हत्या से जोड़ने वाली विवादास्पद रिपोर्ट को खारिज किया और कहा कि यह अटकलों पर आधारित और गलत है।

–यूपी उपचुनाव में कांग्रेस का साथ न होना सपा को पड़ा भारी

योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे ने कर दिया खेल, नहीं समझ सके अखिलेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' झारखंड के लोगों को पसंद नहीं आया। वहां के लोगों ने इसे नकारते हुए बीजेपी को भी नकार दिया है। यूपी में अखिलेश यादव के साथ वही हुआ है, जो महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के साथ। लोकसभा में मिली जीत ने अखिलेश को आत्मविश्वास से भर दिया था। अति आत्मविश्वास को ही योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार की वजह बताया था।

बहरहाल, उपचुनावों में तो हिसाब बराबर हो गया है। 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने करहल, सीसामऊ, कटेहरी और कुंदरकी सीटों पर जीत हासिल की थी। करलहल से तो खुद अखिलेश यादव ही चुनाव जीते थे, लेकिन बाद में कन्नौज से लोकसभा में सांसद बन कर पहुंच गए। मीरापुर विधानसभा सीट जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी के पास थी, जो समाजवादी पार्टी का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ चली गई है। बीजेपी ने 2022 में फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर सीटों पर कब्जा किया था।

हाल के उपचुनाव में अखिलेश ने सभी नौ सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए थे और कांग्रेस ने समर्थन दिया था। खास बात ये थी कि अखिलेश यादव ने भी हरियाणा चुनाव में तवज्जो न मिलने से नाराज होकर ही ये कदम उठाया था। नतीजे आने के बाद तो लगता है कि कांग्रेस का साथ न होना ही अखिलेश यादव को भारी पड़ा है। वो पहले ही समझ गए होते कि 'बंटेंगे तो कटेंगे', तो ये हाल होने से बच सकते थे।

अखिलेश यादव और राहुल गांधी का साथ 2024 के लोकसभा चुनाव में पहली बार फायदे का सौदा साबित हुआ था। चुनाव नतीजों से ये भी साफ हो गया कि अगर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ें और एक दूसरे के वोटो का ट्रांसफर तय कर पायें तो सफलता मिल सकती है। अगर 'बंटेंगे तो कटेंगे' में समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश के लिए संदेश है, तो महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लिए नसीहत हैं और इंडिया ब्लॉक के मामले में राहुल गांधी को भी समझ लेना चाहिए एक हैं तो सेफ हैं।

मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट का रिजल्ट भी कुछ कह रहा है। कुंदरकी में योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे नारे का ऐसा असर हुआ है कि तीन दशक बाद बीजेपी हार के दुख से उबरी है। बीजेपी उम्मीदवार ठाकुर रामवीर सिंह ने समाजवादी पार्टी के हाजी मोहम्मद रिजवान को हराया है। हैरानी की बात ये है कि कुंदरकी में करीब 64 फीसदी मुस्लिम आबादी है। अब तो ऐसा ही लगता है कि अगर कांग्रेस का साथ रहा होता तो समाजवादी पार्टी का ये हाल न हुआ होता। करहल और सीसामऊ के नतीजों ने जैसे तैसे इज्जत बचाने की कोशिश की है।

उपचुनाव के लिए प्रचार खत्म होने के ठीक पहले अखिलेश ने एक्स पर एक लंबी पोस्ट में लिखा था- प्रिय उत्तर प्रदेश वासियों और मतदाताओं, उत्तर प्रदेश आजादी के बाद के सबसे कठिन उपचुनावों का गवाह बनने जा रहा हैज्ये उपचुनाव नहीं हैं, ये रुख चुनाव हैं, जो उत्तर प्रदेश के भविष्य का रुख तय करेंगे। उपचुनावों के नतीजे तो अलग ही रुख दिखा रहे हैं। अखिलेश के लिए भी, और राहुल गांधी के लिए भी।

झांसी अग्निकांड में हुई दो और बच्चों की मौत, संख्या बढ़कर हुई 17, घर वालों का रो रोकर बुरा हाल

झांसी। महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा केंद्र में 15 नवंबर को आग लगने से हुए हादसे में दो और नवजात बच्चों की मौत हो गई है। अब मरने वाले बच्चों की संख्या 17 हो गई है। बच्चों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। वहीं, कई बच्चों का इलाज चल रहा था और स्वस्थ होने पर छुट्टी कर दी गई। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर ने बताया कि शनिवार को ललितपुर निवासी राधा पत्नी प्रीतम और तालबेहट निवासी पूनम पत्नी रंजीत के बच्चों की मौत हो गई। जन्म के बाद बीमारी के चलते इनकी जान गई है। ये दोनों शिशु झुलसे नहीं थे। अब तक 28 नवजातों को छुट्टी दी जा चुकी है। वहीं, हादसे के बाद कमिश्नर और डीआईजी की अध्यक्षता में एक जांच कमेटी का गठन किया गया था, जिसके संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा रिपोर्ट मांगी गई। इस चार सदस्यीय कमेटी ने इस मामले में पूरी जांच पड़ताल की। चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह की अगुवाई में टीम मौके पर दो दिन पड़ताल के बाद लौट आई है और रिपोर्ट तैयार कर ली।

किसी का समर्थन नहीं किया, तो मेरा मुद्दा कैसे विफल हो सकता है, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों पर बोले जरांगे

जालना (एजेंसी)। मराठा आरक्षण आंदोलन के कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उनके आंदोलन का कोई असर नहीं होने की चर्चा को रविवार को खारिज कर दिया। महाराष्ट्र में 288-सदस्यीय विधानसभा के लिए हुए चुनाव में महायुति गठबंधन ने 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी। चुनाव परिणाम शनिवार को घोषित किए गए। महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) भी शामिल हैं। महायुति ने मराठवाड़ा क्षेत्र की 46 में से 40 सीट जीतीं, जिनमें जालना की सभी पांच सीट शामिल हैं।

जालना, नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर जरांगे के आंदोलन का केंद्र रहा है। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ गठबंधन के खराब प्रदर्शन का श्रेय काफी हद तक जरांगे के आंदोलन को दिया गया था। जरांगे ने विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ तीखी टिप्पणी की थी।

जरांगे ने कहा, ''कोई यह कैसे कह सकता है कि विधानसभा चुनाव में जरांगे फैक्टर विफल हो गया, जबकि मैंने न तो चुनाव लड़ा और न ही किसी का समर्थन किया? मैंने मराठा समुदाय को इन राजनीतिक दलों के चंगुल से मुक्त कराया। मराठा समुदाय को अपनी पसंद के अनुसार वोट देने की आजादी मिली। मेरा ध्यान मराठाओं को सशक्त बनाने पर है।'' उन्होंने चुनाव परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए 204 मराठा उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं।

जरांगे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले नियमित रूप से उम्मीदवार उतारने या समुदाय की आरक्षण मांग का विरोध करने वालों को हराने की बात करते रहे थे। विपक्षी महा विकास आघाडी (एमवीए) सिर्फ 46 सीट ही जीत सका। एमवीए में कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) शामिल हैं। भाजपा को 132 सीट मिलीं, शिवसेना को 57, जबकि राकांपा को 41 सीट मिलीं। एमवीए में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के उम्मीदवारों ने 10 और कांग्रेस ने 16 सीट जीतीं, जबकि शिवसेना (उबाठा) ने 20 सीट पर जीत दर्ज की।

राज्यपाल बोस ने राजभवन में लगवाई खुद की प्रतिमा, टीएमसी बोली- हार भी पहना दीजिए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राजभवन में खुद की प्रतिमा लगवाई और खुद ही उसका अनावरण किया। अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने अपनी प्रतिमा का शनिवार को अनावरण किया है। इस मौके पर पौधारोपण और पेंटिंग प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। इसके अलावा चित्रकारी की स्पर्धा करवाई गई थी जिसमें स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया था।

अपनी ही प्रतिमा का अनावरण करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। आलोचकों का कहना है कि पद पर रहते हुए अपनी ही प्रतिमा लगवाना गलत है। अनावरण के वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसपर लोगों ने प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लोगों का कहना है कि राज्यपाल अपने ही महिमामंडन में लगे हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि पार्थ साहा नाम के एक कलाकार ने यह मूर्ति राज्यपाल को भेंट की थी। पार्थ साहा कोलकाता के इंडियन म्यूजियम से संबंधित हैं। राज्यपाल की तस्वीर के आधार पर उन्होंने फाइबर की यह प्रतिमा बनाई है। वह कभी आमने-सामने राज्यपाल से नहीं मिले थे। राज्यपाल कार्यालय ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने खुद अपनी प्रतिमा नहीं बनवाई है बल्कि एक कलाकार ने भेंट की है। वहीं टीएमसी ने इसपर आपत्ति जताते हुए कहा कि जीवित रहते हुए ही राज्यपाल अपने महिमामंडन के लिए खुद की प्रतिमा लगवाए दे रहे हैं। टीएमसी ने कहा, हमने ऐसा पहले कभी नहीं सुना था। वह पब्लिसिटी के भूखे हैं। अब आगे क्या होगा। क्या वह अपनी प्रतिमा को हार पहनाएंगे। उन्हें अब हार भी पहना देना चाहिए। टीएमसी प्रवक्ता जयप्रकाश मजुमदार ने कहा कि राज्यपाल मंगोलों की तरह काम कर रहे हैं। सीपीएम सेंट्रल कमेटी के दस्य सुजान चक्रवर्ती ने कहा, यह बहुत ही अपमानजक है। यह हमारे राज्य का दुर्भाग्य भी है। बंगाल की संस्कृति के साथ भी गंदा खेल खेला जारहा है। बता दें कि मूर्ति का अनावरण करते हुए सीवी आनंदबोस ने कहा था कि बंगाल की राजनीतिक दशा बहुत ही खराब है। उन्होंने कहा, बंगाल की जनता लंबे समय तक यह सब बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने दो साल के अपने खट्टे-मीठे अनुभव बयां किए।

जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रकोप से बचाने के लिए भारत-ईयू के बीच हुआ विचार मंथन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के मध्य भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) की सह-अध्यक्षता में 10वीं ऊर्जा पैनल की बैठक ब्रुसेल्स में संपन्न हुई। इसमें विदेश मंत्रालय की ओर से सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल और यूरोपीय संघ के ऊर्जा मामलों के महानिदेशक डिट्टे जूल जोर्गेनसेन शामिल हुए। दोनों पक्षों ने स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी 2025-28 तक एक कार्य योजना को स्वीकार किया। विदेश मंत्रालय ने बताया कि बैठक का उद्देश्य ऊर्जा पैनल के विषय पर दोनों पक्षों की ऊर्जा परिवर्तन प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा 2021-24 तक भारत-ईयू स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु भागीदारी के दूसरे चरण की उपलब्धियों की समीक्षा करना था। इसमें भारत के केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली मंत्रालय के प्रतिभागियों के अलावा ईयू से ऊर्जा और क्लाइमेट एक्शन के निदेशालय प्रमुख शामिल हुए।

मंत्रालय ने बताया कि भारत और ईयू ने तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए पूरी की गई 9 क्षेत्रों की 51 गतिविधियों का विस्तार से जायजा लिया। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग के लिए फ्रेमवर्क को भी स्वीकृति दी गई। फ्रेमवर्क में भारत और ईयू में ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग के लिए बनाए गए सिद्धांत मुख्य रूप से शामिल हैं। यहां बता दें कि ईयू और संघ के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन में भाग लिया था। वहीं, भारत मौजूदा वर्ष में यूरोपियन हाइड्रोजन सप्ताह में विशेष भागीदार के रूप में शामिल हुआ। दोनों पक्ष एक दीर्घावधि शोध साझेदारी प्रतिबद्धताओं से भी जुड़े हुए हैं। जिसमें स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं में शोध के लिए सहयोग प्रदान किया जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि यह परियोजना पिछले साल 2023 में स्थापित किए गए स्वच्छ और हरित तकनीक के लिए गठित किए गए भारत-ईयू व्यापार और तकनीकी परिषद कार्य समूह का हिस्सा है।

चार वर्षीय भागीदारी में भारत और ईयू मुख्यत- प्राथमिकता वाले 5 क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। इसमें ग्रीन हाइड्रोजन, अपतटीय हवा, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इलेक्ट्रिसिटी मार्केट इंटीग्रेशन, स्मार्ट ग्रिड, एनर्जी और क्लाइमेट कूटनीति मुख्य हैं। दोनों ने हरित हाइड्रोजन सहयोग के लिए एक व्यापक एजेंडा तैयार किया है। जिसमें बुनियादी ढांचे का विकास, नियामक और तकनीकी सहयोग, सप्लाई चेन को मजबूती प्रदान की जाएगी। भारत और ईयू ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में अपने सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई और जी-20 के तंत्र के तहत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में गहनता से सहयोग को लेकर सहमति जताई।

चुनाव परिणाम : सत्ता पक्ष को फिर मिला जनादेश

सुरेश हिंदुस्तानी

महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है।

देश के दो राज्यों के साथ कुछ राज्यों के उपचुनाव के परिणाम ने सत्ता पक्ष के प्रति अपना जनादेश दिया है। हर चुनाव में सत्ता के प्रति जनता में किसी न किसी बात पर आक्रोश रहता है, लेकिन महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दिया। जनता ने फिर से उन्हीं सरकारों को फिर से सत्ता संभालने की जिम्मेदारी दी है, जो सत्ता में थी। खास बात यह है कि महाराष्ट्र और झारखण्ड में सत्ता धारी गठबंधन को पहले से ज्यादा सीटें मिली हैं। यह जनादेश न तो किसी के उछलने का मार्ग तैयार करता है और न ही किसी को नकारने की स्थिति पैदा करता है। जहां तक खुशियाँ मनाने की बात है तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत गठबंधन जीत की खुशी मना रहा है तो झारखण्ड में इंडी गठबंधन के गले में विजयी माला पहनाई गई है। वहीं उपचुनाव में सबको खुशी और सबक दोनों ही दिए हैं।

महाराष्ट्र और झारखंड में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अपने हिसाब से राजनीतिक विश्लेषण किए जा रहे हैं। राजनीतिक दलों के लिए इन चुनावों में प्रादेशिक रूप से जय और पराजय दोनों ही सन्देश प्रवाहित हो रहे हैं। किसी के लिए खुशी तो किसी के लिए गम की स्थिति पैदा करने वाले परिणाम ने यह तो साबित कर दिया है कि देश में किसी एक राजनीतिक दल का न तो व्यापक प्रभाव है और न ही कम सीट प्राप्त करने वाले को कमतर आँका जा सकता है। इस चुनाव की सबसे खास बात यह मानी जा सकती है कि कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत का आंकड़ा प्राप्त नहीं कर सकी, जिससे यह सन्देश निकल रहा है कि अब भविष्य की राजनीति की दिशा और दशा गठबंधन के सहारे ही तय होगी। वर्तमान में राजनीति दो विचार धाराओं के बीच है, जिसमें एक तरफ भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय बनाकर चलने वाले राजनीतिक दलों का विचार है तो दूसरी तरफ कांग्रेस के विचारों से तालमेल रखने वाले दलों की बानगी है। इतना ही नहीं इन चुनावों एक दूसरे के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया गया, वह राजनीतिक हिसाब से भले ही जायज ठहराया जा सकता है, लेकिन आम नागरिकों के समक्ष भ्रम जैसी स्थिति को ही प्रादुर्भित करती हैं।

महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम भाजपा के लिए निश्चित ही अच्छे कहे जा सकते हैं, लेकिन झारखण्ड में सरकार बनाने का सपना लेकर मैदान में उतरी भाजपा को फिर से तैयारी करनी होगी। झारखण्ड के परिणाम को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति उपजी सहानुभूति को आधार बताया जा रहा है। पिछले दिनों झारखण्ड में हुए भ्रष्टाचार के आरोप में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद से अलग होना पड़ा था। जिसके बाद हेमंत सोरेन ने चुनाव में इसी को अपना राजनीतिक हथियार बनाया था और चुनाव में अपने पक्ष में वातावरण बनाया। ऐसा लगता है कि झारखंड में भाजपा अपनी ताकत और कमजोरी को भाँपने में विफल हो गई। झारखण्ड में भाजपा इतनी अप्रभावी नहीं कही जा सकती, जैसा उसका इस चुनाव में प्रदर्शन रहा है। पिछले विधानसभा के चुनाव में भाजपा के प्रादेशिक नेताओं की तनातनी जगजाहिर थी, जिसका परिणाम भाजपा के लिए ठीक नहीं था। हालाँकि इस चुनाव में भाजपा ने पिछली गलती को सुधारने का भरसक प्रयास किया, लेकिन वह सत्ता के सीढ़ी का निर्माण कर पाने में असफल रही। अब झारखण्ड में फिर से झारखण्ड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन फिर मुख्यमंत्री होंगे, यह भी तय लगता है।

परिणाम के बाद अब महाराष्ट्र के चुनावों के बारे में जो राजनीतिक निष्कर्ष निकाले जा रहे हैं, उसके अनुसार यही कहा जा रहा है कि झारखंड और महाराष्ट्र में राजनीतिक हवा अलग अलग दिशा में बह रही थी। जिसने हवा का रुख भांप लिया, वह हवा के साथ ही चला और सत्ता प्राप्त करने में सफलता हासिल की। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस के साथ रहने वाले शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को जनता ने नकार कर शायद यही सन्देश दिया है कि यह सत्ता के लिए किया गया बेमेल गठबंधन ही था। महाराष्ट्र में ऐसे जनादेश का क्या अर्थ होना चाहिए कि एक गठबंधन जीत गया तो दूसरा गठबंधन हार गया। इसी प्रकार झारखण्ड में भी जनादेश की भी समीक्षा की जाने लगी है। पिछले पांच साल में महाराष्ट्र में जिस प्रकार की राजनीतिक उठापटक हुई थी, उसके केंद्र में कौन था, यह ठीक ठीक नहीं कहा जा सकता, लेकिन इंडी गठबंधन की मानें तो उसने इसका सारा ठीकरा भाजपा के मत्थे मढ़ने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी। इस राजनीतिक धमा चौकड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना ने अपने विभाजन के रूप में चुकाई। जो धड़े अलग हुए वे भाजपा के साथ जाकर खड़े हो गए और महाराष्ट्र में सरकार बनाई। कहा जा रहा है कि जनादेश ने भाजपा के साथ वाली शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को असली होने का प्रणाम पत्र दे दिया है। अब महाराष्ट्र में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन की ही सरकार बनेगी, यह तय है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन होगा, इसके कयास भी लगने लगे हैं, क्योंकि महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर भाजपा ने शानदार वापसी की है। ज्यादा उम्मीद इसी बात की है कि एकनाथ शिंदे ही फिर से मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पीछे राजनीतिक कारण यह भी माना जा रहा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार को सहयोगी दलों की जरुरत है, इसलिए भाजपा अपने सहयोगी दलों को अब नाराज नहीं कर सकती। दूसरी बात यह भी है भाजपा ने एकनाथ शिंदे को जिस प्रकार से चौकाने वाले अंदाज में मुख्यमंत्री बनाया था, वह हर किसी के लिए आश्चर्य ही था। अब यह भी हो सकता है कि भाजपा ने जिस प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उप मुख्यमंत्री बनाया, वही प्रयोग शिंदे के साथ भी किया जा सकता है।

संपादकीय

शिक्षा में अड़ंगे

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने एमफिल या पीएचड़ी ड़िग्री कोर्सेज को ओपन या ड़िस्टेंस या ऑनलाइन मोड़ से चलाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मेड़िकलड्ढ इंजीनियरिंग समेत 18 कोर्सेज को भी ओपन ड़िस्टेंस मोड़ या ऑनलाइन मोड़ से चलाने पर रोक लगा दी है। फीजियोथेरेपी, फामेर्सी, नर्सिग, डेंटल, आर्किटेक्चर, कानून, कृषि, हॉर्टिकल्चर, होटल प्रबंधन, कैटरिंग, पाक विज्ञान, दृश्य कला, योगा जैसे कोर्स अब ऑनलाइन या ड़िस्टेंस से नहीं चलाए जा सकेंगे। ड़ॉक्टर ऑफ फिलॉसफी या मास्टर ऑफ फिलॉसफी उन्नत शोध ड़िग्री योग्यता हैं। उच्चतम शिक्षा पाने वाले चुनिंदा छात्र ही इन अति विशिष्ट कोर्स तक पहुंचते हैं। सरकार ने दूरदराज या अन्य क्षेत्रों में व्यस्त छात्रों के लिए घर से बैठ कर ये शिक्षा लेने की व्यवस्था की थी। मगर विश्वविद्यालयों की धांधली या निरंतर मिलने वाली शिकायतों के चलते यूजीसी को सख्त निर्णय लेने पड़ते हैं। प्रति वर्ष तमाम विश्वविद्यालयों को प्रतिबंधित करने या पाबंदियां लगाने संबंधी नोटिस जारी करता रहता है। कहना गलत नहीं है कि कुछ जरूरतमंद और उच्चतम शिक्षा प्राप्त करने को इच्छुक छात्रों को इससे असुविधा भी हो सकती है। आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग के ढेरों विद्यार्थी हैं, जो कोई रोजगार या नौकरी करते हुए अतिरिक्त शिक्षा प्राप्त करने के लिहाज से ओपन या ऑनलाइन कोर्स में दाखिला लेने को मजबूर होते हैं। ऐसे जरूरतमंदों के लिए भी आयोग को रास्ता सुझाना चाहिए। आयोग का काम मान्यता की जांच करने की सलाह पर ही खत्म नहीं हो जाता। उसे सख्तीपूर्वक ऐसे किसी भी विश्वविद्याल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना चाहिए क्योंकि इससे न केवल छात्रों का भविष्य चौपट होता है। बल्कि उनका बहुत सारा पैसा भी बर्बाद हो जाता है। विज्ञापनों द्वारा ऐसे संस्थान जब प्रचार कर रहे होते हैं, उसी वक्त इन पर कार्रवाई की जानी चाहिए। दूसरे, दुनिया जब तकनीक और संचार व्यवस्था द्वारा शिक्षा को सुविधाजनक बना रही हैं, ऐसे में विवि की लापरवाही का खमियाजा छात्रों को भुगतने से बचाना भी आयोग का ही जिम्मा है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?

अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

बिरयानी को पीछे छोड़ आईटी में आगे कैसे बढ़ा हैदराबाद

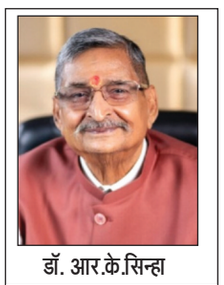

डॉ. आर.के.सिन्हा

अगर आप देश के किसी छोटे-बड़े शहर या महानगर में रहते है, तब आपको मालूम होगा कि आपके अड़ोस-पड़ोस के कुछ नौजवान नौकरी करने के लिए हैदराबाद भी चले गए हैं। यह भी मुमकिन है कि आपके अपने घर-परिवार से भी कुछ बच्चे अब तक चारमीनार और बिरयानी के लिए मशहूर हैदराबाद शहर की किसी टेक या फार्मा सेक्टर की कंपनी में जाकर काम करने लगे हों। दरअसल हैदराबाद गुजरे बीस-पच्चीस सालों में दुनिया के आई टे सेक्टर के नक्शे के केंद्रबिंदु पर आ गया है। शायद ही दुनिया की कोई मशहूर आईटी कंपनी हो, जिसके ऑफिस तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में न हो।

अगर आज हैदराबाद इस मुकाम पर पहुंचा है, तो इसका श्रे? आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को तो देना ही होगा। वरिष्ठ लेखक दिनेश सी. शर्मा ने अपनी हाल ही में प्रकाशित किताब बियॉन्ड बिरयानीः द मेकिंग ऑफ ए ग्लोबलाइज्ड हैदराबाद ((बिरयानी से आगेः एक वैश्वीकृत हैदराबाद का निर्माण) में हैदराबाद के तेजी से बदले चेहरे की कहानी बयां की है। चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में अपने पूर्ववर्तियों द्वारा रखी गई ठोस वैज्ञानिक अनुसंधान और आर्थिक नींव का लाभ उठाया। हैदराबाद के आईटी पावर हाउस बनने से पहले ही यहां वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएलएसआईआर) की तरफ से प्रयोगशालाएं स्थापित हो चुकी थीं। यहां से योग्य वैज्ञानिक देश-दुनिया को मिल रहे थे। इसी तरह से यहां इंडियन ड्रग्ज एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (आईडीपीएल) और इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इंण्डिया लिमिटेड (ईसीआईएल) जैसे संस्थान भी पहले से थे। इनका

लक्ष्य अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना था। इन दोनों सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों ने तकनीकी जनशक्ति का एक बड़ा आधारसेतु विकसित कर दिया था, जिसने उद्यमियों के लिए नए क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए आधार तैयार किया। देश में 1991 के बाद आर्थिक उदारीकरण की हवा बहने लगी। लाइसेंस परमिट कोटा राज का बड़ी मुश्किल से ही सही, पर धीरे-धीरे अंत हुआ। इसके बाद 1993 में कर्नाटक सरकार ने दूसरे प्रौद्योगिकी एन्क्लेव के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क बनाने के लिए टाटा समूह और सिंगापुर स्थित कंपनियों को अपने साथ जोड़ा। उसे सफलता भी मिली। तब हैदराबाद में ऐसा कोई तकनीकी केंद्र विकसित नहीं हो पाया था। अब चंद्रबाबू नायडू 1995 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। वह हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी में बैंगलुरू को हराना चाहते थे। उन्होंने अपने सरकारी अफसरों को साफ कह दिया था कि हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी में लंबी- ऊंची छलांग लगानी है। हैदराबाद के पास इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सब कुछ थाः तकनीकी जनशक्ति का एक बड़ा आधार, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम कर रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और अनुसंधान संस्थानों और उद्यमियों की एक श्रृंखला, जो जोखिम उठाने को तैयार थी। लेकिन, हैदराबाद में बुनियादी ढाँचे का अभाव था जैसे एक प्रौद्योगिकी एन्क्लेव, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, अच्छी सड़कों का जाल और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा। चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने इन सब क्षेत्रों पर एक साथ काम किया और हैदराबाद की भारत और भारत से बाहर निवेशकों के बीच गंभीरता से मार्केटिंग भी की। उन्होंने विज्ञान पार्क मॉडल को अपनाया, जिसे पश्चिम के साथ-साथ दक्षिण कोरिया, ताइवान और मलेशिया जैसे पूर्वी एशियाई देशों में प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक विकास और विकास के मॉडल के रूप में सफलतापूर्वक आजमाया गया था। बेशक, चंद्रबाबू नायडू ने साबित कर दिखाया कि अगर आप में इच्छा शक्ति हो तो आप अपने प्रदेश या देश की किस्मत बदल सकते हैं। वह पहली बार लगभग तीन दशक पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने अपने ससुर एनटी रामाराव को सत्ता से बेदखल कर दिया था। चंद्रबाबू नायडू ने अपनी इमेज एक उद्योग-समर्थक और प्रौद्योगिकी-समर्थक वाले नेता की बनाई। उन्होंने हैदराबाद को आईटी हब के रूप में स्थापित करने में दिन-रात की मेहनत की। राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद वे माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से मिले। उस मुलाकात के बाद से ही हैदराबाद बदलने लगा। वहां दुनिया भर की चोटी की आईटी कंपनियों ने अरबों रुपए का निवेश किया। बिल गेट्स किसी काम के लिए राजधानी दिल्ली में थे। चंद्रबाबू को पता चला कि गेट्स राजधानी में हैं। वह गेट्स से मिलने की कोशिश कर ही रहे ही थे। उनकी तरफ से अमेरिका एंबेसी के अधिकारियों से गुजारिश की गई कि उनकी (नायडू) गेट्स से मुलाकात करवा दी जाए। उन्हें बताया गया कि गेट्स बहुत व्यस्त हैं, और अगर वे सच में उनसे मिलने को इच्छुक हैं तो वे शाम को एंबेसी में आयोजित पार्टी में शामिल हो जाएं। वहां गेट्स मिलेंगे। वहां तय समय पर नायडू पहुंच गए, गेट्स से मिलने। वहां दोनों मिले। नायडू ने एक लैपटॉप के माध्यम से गेट्स को प्रेंजटेशन दिया। इस तरह से प्रेजंटेशन देने वाले नायडू पहले भारत के नेता थे। यह सब देखकर गेट्स काफी प्रभावित हुए। इसके बाद हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट का विकास केंद्र स्थापित हुआ। उसके बाद तो हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में दर्जनों आईटी कंपनियों ने तगड़ा निवेश किया।

खैर, हैदराबाद की बात होगी तो बिरयानी की चर्चा तो अवश्य ही होगी ही। दिनेश सी. शर्मा बियोंड बिरयानी में हैदराबादी बिरयानी की अखिल भारतीय स्तर पर लोकप्रियता को आर्थिक उदारीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण से जोड़कर देखते हैं। पिछले साल जोमेटो से हरेक सेंकिड 3.19 बिरयानी के ऑर्डर दिए गए। उधर स्विगी को हरेक सेंकिड 2.5 ऑर्डर मिले। इनकी कुल संख्या करोड़ों में है। इनमें सर्वाधिक ऑर्डर हैदराबादी बिरयानी के लिए थे। बीते दो-तीन दशकों के दौरान हैदराबाद की टेक और फार्मा कंपनियों में काम करने के लिए देशभर से नौजवान पहुंचने लगे। इसी तरह से हैदाराबादी भी अपने शहर से कामकाज के सिलसिले में बाहर निकले। इस तरह की दो-तरफा आवाजाही से हैदराबादी बिरयानी लोकप्रिय होती गई और बिरयानी बेचने वालों की चांदी हो गई। बिरयानी समोसे की तरह, मध्य एशिया से भारत आई। कहा यह भी जाता है कि केरल का मालाबार वह इलाका है जहां अरब व्यापारी सबसे पहले आए। वे अपने साथ बिरयानी भी लाए। बिरयानी अब हमारी हो चुकी है। हालांकि हैदराबादी बिरयानी के कद्रदान कहते हैं कि हैदराबादी बिरयानी के सामने मुरादाबादी, दिल्ली और मालाबर की बिरयानी को उन्नीस ही हैं। हैदराबादी बिरयानी में मसालेदार, पका हुआ चावल, मांस और नारियल और केसर का तड़का लगाया जाता है। अगर इसे कायदे से बनाए तो खाने वाले का पेट भर सकता है, पर नीयत नहीं। बहरहाल, हैदराबाद की पहचान अब सिर्फ बिरयानी भर से ही नहीं होती। हैदराबाद अब आई टी का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरा है।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवसः चिंताजनक है महिलाओं के प्रति बढ़ती हिंसा

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 25 नवम्बर को महिलाओं पर होने वाली हिंसा को रोकने के लिए विश्वभर में ह्यअंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवसह्ल मनाया जाता है। इस दिन महिलाओं के विरूद्ध हिंसा रोकने के ज्यादा से ज्यादा प्रयास करने की आवश्यकता को रेखांकित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तीन बहनों पैट्रिया मर्सिडीज मिराबैल, मारिया अर्जेंटीना मिनेर्वा मिराबैल तथा एंटोनिया मारिया टेरेसा मिराबैल द्वारा डोमिनिक शासक रैफेल ट्रुजिलो की तानाशाही का कड़ा विरोध किए जाने पर उस क्रूर शासक के आदेश पर 25 नवम्बर 1960 को उन तीनों की हत्या कर दी गई थी। वर्ष 1981 से उस दिन को महिला अधिकारों के समर्थक और कार्यकर्ता उन्हीं तीनों बहनों की मृत्यु की पुण्यतिथि के रूप में मनाते आए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 17 दिसम्बर 1999 को एकमत से हर साल 25 नवम्बर का दिन ही महिलाओं के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय हिंसा उन्मूलन दिवस के रूप में मनाने के लिए निर्धारित किया गया। सरकारों, निजी क्षेत्र और प्रबुद्ध समाज से यौन हिंसा और महिलाओं के उत्पीड़न के विरूद्ध कड़ा रूख अपनाने का आग्रह करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि महिलाओं के प्रति हिंसा विश्व में सबसे भयंकर, निरन्तर और व्यापक मानव अधिकार उल्लंघनों में शामिल है, जिसका दंश विश्व में हर तीन में से एक महिला को भोगना पड़ता है।

महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए वर्ष 2010 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा ह्यसंयुक्त राष्ट्र महिलाह्ल का गठन किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर लडकियां जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं, करीब 35 फीसदी महिलाओं और लड़कियों को अपने जीवनकाल में शारीरिक एवं यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है, हिंसा की शिकार 50 फीसदी से अधिक महिलाओं की हत्या उनके परिजनों द्वारा ही की जाती है, वैश्विक स्तर पर मानव तस्करी के शिकार लोगों में 50 फीसदी व्यस्क महिलाएं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रतिदिन तीन में से एक महिला किसी न किसी प्रकार की शारीरिक हिंसा का शिकार होती है। महिलाओं को हिंसा और दुर्व्यवहार की भारी कीमत चुकानी पड़ती है, जो जीवन के सभी क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों की भागीदारी के अधिकार को बाधित करता है, उन्हें उनके बुनियादी अधिकारों और स्वतंत्रता से वंचित करता है। इससे आर्थिक सुधार और सतत विकास में खलल पड़ता है।

भारत के संदर्भ में महिला हिंसा को लेकर आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति काफी चिंताजनक है। हालांकि 2012 में दिल्ली में हुए निर्भया कांड के बाद देशभर में सड़कों पर महिलाओं के आत्मसम्मान के प्रति जिस तरह की जन-भावना और युवाओं का तीखा आक्रोश देखा गया था, यौन हिंसा रोकने के लिए जिस प्रकार कानून सख्त किए गए थे, उसके बाद लगने लगा था कि समाज में इससे संवदेनशीलता बढ़ेगी और ऐसे कृत्यों में लिप्त असामाजिक तत्वों के हौंसले पस्त होंगे किन्तु विड़म्बना है कि समूचे तंत्र को झकझोर देने वाले निर्भया कांड और उसके बाद के वर्षों में सामने आ चुके महिला अपराधों के कई अन्य जघन्य मामलों के बाद भी हालात यह हैं कि कोई दिन ऐसा नहीं बीतता, जब महिला हिंसा से जुड़े अपराधों के मामले देश के कोने-कोने से सामने न आते हों। होता सिर्फ यही है कि जब भी कोई बड़ा मामला सामने आता है तो हम पुलिस-प्रशासन को कोसते हुए संसद से लेकर सड़क तक कैंडल मार्च निकालकर या अन्य किसी प्रकार से विरोध प्रदर्शन कर रस्म अदायगी करके शांत हो जाते हैं और पुनः तभी जागते हैं, जब ऐसा ही कोई बड़ा मामला पुनः सुर्खियां बनता है, अन्यथा महिला हिंसा की छोटी-बड़ी घटनाएं तो बदस्तूर होती ही रहती हैं। ऐसे अधिकांश मामलों में प्रायः पुलिस-प्रशासन का भी गैरजिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रवैया ही सामने आता रहा है। प्रश्न यही है कि निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती, महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने और समाज में आधी दुनिया के आत्मसम्मान को लेकर बढ़ती संवेदनशीलता के बावजूद आखिर ऐसे क्या कारण हैं कि बलात्कार के मामले हों या छेड़छाड़ अथवा मयार्दा हनन या फिर अपहरण अथवा क्रूरता, 'आधी दुनिया' के प्रति अपराधों का सिलसिला थम नहीं रहा है? इसका एक बड़ा कारण तो यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिसके वे हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। कोलकाता की महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और नृशंस हत्या का मामला हो या हैदराबाद की बेटी दिशा का या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का, लगातार सामने आते ऐसे तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं।

कई थाना प्रभारीयों के खास रहे कांस्टेबल के कार्यवाई के बाद अरसो से जमें थानों पर पुलिश,हेड कांस्टेबल,मुंमी पर कार्यवाई की आस।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। पुलिश अधिक्षक अशोक कुमार मीणा के बडी कार्यवाई के बाद जिले के कई थाना प्रभारीयों के रहे खासमखास माने जाने वाले कई कांस्टेबल अब पीआरवी वाहन की ड्राइविंग करेगें तीन दिन पूर्व सोनभद्र के मुखिया पुलिस अधीक्षक की तरफ से जारी किए गए स्थानांतरण आदेश के बाद, 22 ने पुलिस लाइन में आमद दर्ज करा दी है शेष को भी शीघ्र आमद दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, शुक्रवार तक पुलिस लाइन में मौजूदगी दर्ज कराने वाले 22 कांस्टेबलों/हेड कांस्टेबलों को,पीआरवी वाहन एलाट करते हुए, नई तैनाती के लिए रवानगी जारी कर दी गई है संबंधित थानाध्यक्षों-प्रभारी निरीक्षकों को पत्र जारी कर निर्देश का अनुपालन सुनिश्चित कराने के लिए कहा गया है पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने कांस्टेबलों-हेड कांस्टेबलों का बड़ी संख्या में तबादला तो किया ही था। स्थानांतरित किए गए 45 हेड कांस्टेबल / कांस्टेबल में 40 को पीआरवी वाहन के चालक के रूप में तैनाती दिए जाने के मामले ने लोगों को चौंका कर रख दिया था। इसमें कई नाम ऐसे बताए जा रहे हैं, जिनकी गणना कई थाना प्रभारियों के खासमखास और कारखास के रुप में की जाती है। ऐसे कथित पुलिसकर्मियों के तबादले से जहां हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। वहीं, पीआरवी में भेजे गए 40 कर्मियों में 22 को नई तैनाती स्थल के लिए रवानगी जारी की जा चुकी है अब पुलिश अधिक्षक अशोक कुमार मीणा की अगला रडार पर कौन अब देखना यह है की अरसो से जमे एक ही थानों पर हर पुलिश,हेड कांस्टेबल,मुंशी जो अपनी पैठ बनाकर काफी समय से थानों पर भ्रष्टाचार का खेल खेल रहे है सूत्रों से जानकारी के अनुसार थाने पर जो भी फरियादी अपनी फरियाद लेकर आता है इन सभी कांस्टेबल हेड कांस्टेबल मुंशी से संपर्क करते है तभी कोई काम फरियादियों का होता है इन लोगों का क्षेत्र में काफी पकड़ बनाकर रखे है थाने पर रहते हुए भ्रष्टाचार कर रहे हैं थाने पर तैनात मुंशी के द्वारा बिना लेनदेन का कोई भी कार्य नहीं होता है जो ईमानदार मुखिया के छवि को धूमिल तो कर ही रहे हैं सरकार के मंसा अनुरुप कार्य करते हुए सरकार के मंसा पर पानी फेर रहे हैं इन सभी भ्रष्ट पुलिश कर्मियों के ऊपर कार्यवाई करने की सोनभद्र के मुखिया का ध्यान कब आकृष्ट होता है

शक्तिनगर पुलिस ने 10.40 ग्राम हेरोइन (अनुमानित कीमत 02 लाख रुपए) बरामद कर एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा अवैध मादक पदार्थ/शराब तस्करी करने वाले तस्करों के विरुद्ध अभियान चलाया गया है, इसी के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी पिपरी के पर्यवेक्षण में दिनांक-24.11.2024 को थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर 01 नफर अभियुक्त करन गिरी पुत्र स्व0 राजू गिरी निवासी मीना बाजार गुरमा थाना चोपन जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष को ज्वालामुखी कॉलोनी तिराहा बहदग्राम कोटा बस्ती के पास से 10.40 ग्राम नाजायज हेरोईन के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0-159/2024 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त का चालान न्यायालय किया गया ।

संक्षिप्त डायरी

विद्युत संविदा कर्मी की करंट लगने से मौत पीड़ित परिजन एवं ग्रामीणों के हंगामे के खौफ के चलते बिजली घर से कर्मचारी हुए नदारद पुलिस ने संभाला मोर्चा

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्रवर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कस्बा बहादुरगढ़ बिजली घर पर तैनात संविदा कर्मचारियों की करंट लगने से उपचार के दौरान अस्पताल में हुई दर्दनाक मौत से परिजनों में मचा कोहराम। बता दें कि कस्बा बहादुरगढ़ बिजली घर पर संविदा कर्मी राहुल निवासी मौहम्मदपुर ड्यूटी पर तैनात था। जिसके चलते चांदनेर टी पॉइंट पर बिजली का फाल्ट होने पर फ्यूज बार उड़ गया। जिसको सही करने के दौरान अचानक करंट लगने से वह नीचे गिर गया। जिसको लेकर पीड़ित परिजन आनंन-फानन में हापुड़ के देवनदी अस्पताल पहुंचे। जहां उपचार के दौरान उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही बिजली घर पर तैनात कर्मचारी ग्रामीण एवं परिजनों के द्वारा हंगामा करने के डर के चलते बिजली घर से नदारद हो गए। चौकी प्रभारी शांति सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने को लेकर बिजली घर पर मोर्चा संभाले हुए हैं।

सिंभावली पुलिस एवं उत्तराखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के दौरान 10000 के इनामी बदमाश को किया लंगड़ा एक मौके का फायदा उठाकर हुआ फरार

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली पुलिस एवं उत्तराखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने नवादा नहर पटरी पुल के पास 22 वर्षों से उत्तराखंड क्षेत्र से आपराधिक मामलों में वांछित चल रहे। ₹10000 के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के दौरान किया लंगड़ा वही एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर हुआ फरार। बता दे कि सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कस्बा बक्सर के मोहल्ला जमाईपुरा निवासी नौशाद पुत्र नूर हसन उर्फ नूरा जोकि उत्तराखंड से लूट डकैती के अभियोग में 22 वर्षों से वांछित चल रहा है। जिस पर हल्द्वानी पुलिस के द्वारा गिरफ्तारी को लेकर 10000 का इनाम घोषित किया गया था। जिसको सिंभावली पुलिस एवं उत्तराखंड पुलिस की हुई संयुक्त मुठभेड़ में नवादा नहर पुल के पास पैर में गोली लगने पर घायल अवस्था में किया गिरफ्तार। वहीं इसका एक साथी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। गिरफ्तार बदमाश ने पुलिस पूछताछ में अपना नाम नौशाद पुत्र नूर हसन उर्फ नूर निवासी मोहल्ला जमाईपुरा बक्सर थाना सिंभावली हापुड़ हाल पता निडोरी थाना मसूरी गाजियाबाद बताया है। घायल बदमाश से एक तमंचा 315 बोर मय जिंदा खोखा कारतूस,एक मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिलवढ14ऊ9282 बरामद हुई है। वही इस मामले को लेकर पुलिस क्षेत्र अधिकारी वरुण मिश्रा ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है। जोकि उत्तराखंड से 22 वर्षों से आपराधिक मामलों में वांछित चल रहा था। जिस पर हल्द्वानी पुलिस के द्वारा 10000 का इनाम घोषित था। जिस पर उत्तराखंड के हल्द्वानी, गाजियाबाद हापुड़ इत्यादि जनपदों में लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट जैसे दर्जनों की संख्या में अभियोग पंजीकृत हैं।

दिल्ली मुरादाबाद नेशनल हाईवे 9 पर 16 नवंबर को सूटकेस में मिले महिला के शव की गुरुग्राम निवासी राखी के रूप में हुई पहचान हत्यारे पति को किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

हापुड़/हापुड़ नगर कोतवाली पुलिस के अथक प्रयास के चलते 16 नवंबर को दिल्ली मुरादाबाद नेशनल हाईवे 9 पर हुंडई शोरूम के पीछे लाल सूटकेस में मिले 35 वर्षीय महिला के शव का पुलिस ने खुलासा करते हुए हत्यारे पति को गिरफ्तार करने का दावा किया है। विदित रहे कि दिल्ली मुरादाबाद नेशनल हाईवे 9 पर 16 नवंबर को एक लाल सूटकेस में महिला के शव पड़े होने की सूचना चौकीदार फकीरचंद पुत्र कटार सिंह निवासी ग्राम अच्छेजा के द्वारा दी गई थी। जिसकी सूचना पर हापुड़ नगर कोतवाली पुलिस महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मु॰अ॰स॰761/24/धारा 103/238 बीएनएस से संबंधित दर्ज कर खुलासा करने को लेकर जुटी हुई थी। जिसके चलते हापुड़ नगर कोतवाली पुलिस के द्वारा अथक प्रयासों के बावजूद सूटकेस में मिले महिला के शव की पहचान गुरुग्राम निवासी राखी के रूप में हुई है। वही हत्या करने के मामले में पुलिस ने राखी के पति अंकुश को गिरफ्तार किया है। हत्या आरोपी पति ने पूछताछ में बताया है कि राखी उसको उसके परिजनों से बातचीत करने के लिए मना करती थी। जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद होता था। जिसके चलते उसने राखी की हत्या कर शव को यहां लाकर डाला था। हापुड़ पुलिस के द्वारा गिरफ्तार हत्या आरोपी पति के विरुद्ध विधिक वैधानिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

धौलाना पुलिस ने दोहरे हत्याकांड में वांछित चल रहे हत्या आरोपित युवक को अवैध असहले सहित किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

हापुड़/धौलाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव शेखपुर खिचरा में घटित दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले हत्या आरोपी अभियुक्त समीर को अवैध असहला सहित किया गिरफ्तार। बता दे की धौलाना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव शेखपुर खिचरा दोहरे हत्याकांड में फरार चल रहे।अभियुक्त समीर के द्वारा अपने पिता भाई भाभी के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से अपनी पत्नी शहजादी उर्फ खुशबू और अपनी सास कौशर की हत्या को अंजाम दिया गया था। जिसमें हत्या आरोपित समीर फरार चल रहा था। जिसको धौलाना पुलिस ने गिरफ्तार कर विधिक वैधानिक कार्यवाही के साथ भेजा जेल।

गन्ना उठान की धीमी गति से गन्ना सेटंर पर लग रहा जाम,किसान परेशान

नाराज किसानों ने गन्ना क्रय केंद्र पर किया विरोध -प्रदर्शन

संस्कार उजाला

पूरनपुर,पीलीभीत। गन्ना क्रय केंद्र पर कई दिनों से उठान न होने से खफा किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि कई दिनों से गन्ना उठान की धीमी गति से क्रय केंद्र पर जाम की स्थिति उतपन्न है। गन्ना क्रय केंद्र पर ट्रांसपोर्टर की लापरवाही से किसान बेहद परेशान है। इससे नाराज किसानों ने शनिवार को गन्ना क्रय केंद्र पर विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी जाहिर की। किसानों ने ट्रांसपोर्ट व्यवस्था सही कराने की मांग की है। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में एलएच चीनी मिल पीलीभीत का गन्ना क्रय केंद्र लगा हुआ है।जिस पर किसानों के गन्ने की खरीद की जा रही है। किसानों ने बताया कि पिछले कई दिनों से गन्ने का उठान नहीं हो रहा है। जिससे किसानों को काफी परेशानी हो रही है।उठान व्यवस्था को लेकर किसानों ने बेहद रोष जताया। गन्ना उठान की धीमी गति को लेकर किसानों ने रविवार को क्रय केंद्र पर विरोध प्रदर्शन किया है। किसानों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ट्रांसपोर्ट व्यवस्था सही कराने की मांग की है। आरोप है कि समय से गन्ने का उठान न होने के कारण केंद्र पर नियमित तौल नही हो रही है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।किसानों ने जल्द ही गन्ना उठान की समस्या का समाधान करने की मांग की है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में नरदेव शर्मा,मनोज, श्रीपाल बड़ेलल्ला , राकेश , राम जी गुप्ता , शिवकुमार गुप्ता , कृष्ण कुमार , मोहम्मद शरीफ , देवेश , सनोज तिवारी , लालाराम राठौर , पंकज गुप्ता , चंद्रस्वरुप , सुरेश , चौधरी भारती , आकाश भारती सहित तमाम किसान मौजूद रहे।

हापुड़ पुलिस ने चेलेजिग ब्लाइंड लाल सूटकेश मर्डर मिस्ट्री को सुलझाते हुए हत्यारे पति और ससुर को किया गिरफ्तार जीजा फरार

संस्कार उजाला

हापुडः/एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के निर्देशन में हापुड़ पुलिस की गठित टीम ने अथक परिश्रम एवं सर्विसलेंस की मदद से 16 नवंबर को दिल्ली मुरादाबाद नेशनल हाईवे 9 के किनारे सर्विस रोड पर हुंडई शोरूम के पीछे लाल सूटकेस में मिली 35 वर्ष से महिला की लाश का खुलासा करते हुए। चैलेंजिंग ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री के हत्यारे पति अंशुल और ससुर रमेश को गिरफ्तार करने का दावा किया है। गौरतलब रहे कि 16 नवंबर को नेशनल हाईवे 9 के किनारे लाल सूटकेस में मिली 35 वर्षीय महिला की चेलैजिग ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का खुलासा करते हुए महिला के शव की पहचान राखी निवासी गुरुग्राम के रूप में हुई है।वहीं पुलिस ने हत्यारे पति अंशुल और शव को ठिकाने लगाने में मदद करने वाले राखी के ससुर रमेश को गिरफ्तार कर उनके निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त वैगनआर कार मोटरसाइकिल बरामद की है। वही इस चैलेंजिंग ब्लाइंड मर्डर मिस्ट्री का खुलासा करने को लेकर एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह ने बताया कि घटना का खुलासा करने को लेकर गठित की गई। टीमों के द्वारा सर्विस लाइंस की मदद से घटना का सफल अनावरण करते हुए हत्यारे पति अंशुल और ससुर रमेश को गिरफ्तार कर लिया गया है। वही जीजा फरार हो गया है जिसको जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस पूछताछ में हत्यारे पति अंशुल ने पति-पत्नी में आए दिन होने वाले विवाद के चलते राखी की गला दबाकर हत्या करने के साथ शव को लाल सूटकेस में रखकर हापुड़ नगर थाना क्षेत्र में फेंकना स्वीकार किया है। पति अंशुल ससुर रमेश को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। और फरार जीजा धीरज को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संभल में बवाल को लेकर हापुड़ पुलिस हुई अलर्ट पैदल फ्लैग मार्च कर जनपद वासियों से शांति सौहार्द पूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील

संस्कार उजाला

हापुड़/संभल में उपद्रवियों के द्वारा बवाल मचाने को लेकर हापुड़ पुलिस हुई अलर्ट। एडिशनल एसपी विनीत भटनागर ने बाहरी पुलिस बल के साथ मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में पैदल फ्लैग मार्च करते हुए शांति स्वर महत्वपूर्ण माहौल बनाए रखने को लेकर सभी से अपील की है। और साथ ही अफवाह न फैलाएं अफवाह फैलाने वालों एवं सोशल मीडिया के सभी ग्रुपों पर पुलिस की पहली नजर लगी हुई है। यदि किसी ने भी आपत्तिजनक कोई पोस्ट की या अफवाह फैलाने की कोशिश की तो उसके विरुद्ध विधिक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी थाना प्रभारी को अपने-अपने थाना क्षेत्र में पैदल ग्रस्त कर शांति सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने को लेकर सख्त दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

सीआईएसएफ ने मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाएँ प्रदान करने के लिए आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट (ABET) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

संस्कार उजाला

अरविंद गुप्ता ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

सोनभद्र - संरक्षिका सीआईएसएफ वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बल कर्मियों और उनके परिवारजनों को मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य सहायता सुनिश्चित करने के लिए परामर्श और सहायता प्रदान करने हेतु आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट ABET के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।पिछले दिनों ज्ञापन सीआईएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली में एक समारोह आयोजित किया गया। जिसमें संरक्षिका की सचिव कानन श्रीवास्तव और एमपॉवर (ABET) की अध्यक्ष सुश्री परवीन शेख ने संरक्षिका सदस्यों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। जिसके क्रम में आदित्य बिड़ला एजुकेशन ट्रस्ट (ABET) 'प्रोजेक्ट मनऱ के माध्यम से संरक्षिका सदस्यों और उनके परिवारजनों को मानसिक और भावनात्मक सहायता प्रदान करेगा। मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक स्वास्थ्य से संबंधित आम चुनौतियों का समाधान करेगा और संरक्षिका परिवारों के लिए रोकथाम कार्यक्रमों और सेवाओं की वकालत करेगा। सीआईएसएफ सदस्य और उनके परिवार स्वेच्छा से ABET द्वारा सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। एमओयू के अनुसार, ABET ₹प्रोजेक्ट मनऱ के तहत विभिन्न सेवाएं प्रदान करेगा, जिनमें शामिल हैं।कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्वास्थ्य का समर्थन करने के प्रभावी तरीकों से लाभार्थियों को सशक्त बनाने और सुसज्जित करने के लिए मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत प्रशिक्षण प्रदान करना। मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को समझने पर ध्यान केंद्रित करने वाले सभी लाभार्थियों के लिए जागरूकता सत्र। जोखिम में लाभार्थियों की पहचान करने और आगे के जोखिम को रोकने के लिए प्रारंभिक हस्तक्षेप को बढ़ावा देने के लिए मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन स्क्रीनिंग।एक समर्पित प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक के साथ एक, एक पेशेवर हस्तक्षेप का लाभ उठाने के लिए परामर्श सेवा।एक समर्पित हेल्पलाइन भी प्रदान की जाएगी, ताकि लाभार्थी इनबाउंड और आउटबाउंड कॉल समर्थन के साथ 24*7 इस सेवा का लाभ उठा सकें। संरक्षिका को उम्मीद है कि यह समझौता ज्ञापन संरक्षिका सदस्यों और उनके तत्काल परिवारों के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक कल्याण के लिए समर्थन की लंबे समय से महसूस की जा रही आवश्यकता को पूरा करेगा।संरक्षिका और सीआईएसएफ भारत सरकार की पहल Together For Mentai Health की तर्ज पर सीआईएसएफ कर्मियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूर्णरूप से प्रतिबद्ध हैं।

बेसिक शिक्षा परिषदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन राज इंटर नेशनल स्कूल में

फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक चेतराम ने किया

संस्कार उजाला

बंडा (शाहजहांपुर)। बंडा के राज इंटरनेशनल स्कूल सुनासिर रोड में शुक्रवार को भाजपा विधायक चेतराम ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर बेसिक शिक्षा परिषदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिताऱ का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में स्कूल के छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने अभिनय व कला का प्रदर्शन करते हुए मंचासीन लोगों का मन मोह लिया। साथ ही दौड़ में भाग लेने वाले बच्चों हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं दौड़ में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय आने वाले बच्चों को विधायक ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। पुरस्कार पाकर छोटे-छोटे बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर साथ में मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार महेंद्र सिंह चहल, प्रिंसिपल अरविंद सिंह, पीटीआई वीरपाल यादव, नरेश चंद्र श्रीवास्तव, मोहित सिंह, शैलेंद्र सिंह चौहान, शैलेंद्र गंगवार सहित शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

CISF को मिली पहली महिला बटालियन, गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। महिलाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका बढ़ाने के उद्देश्य से, एक ऐतिहासिक निर्णय में, गृह मंत्रालय ने आज उक्त्रऋकी पहली महिला बटालियन की स्थापना को मंजूरी दे दी है। सीआईएसएफ उन महिलाओं के लिए एक पसंदीदा विकल्प रहा है जो वर्तमान में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में राष्ट्र की सेवा करना चाहती है। सीआईएसएफ में महिला बल कर्मियों की संख्या 7% से अधिक है। महिला बटालियन के गठन से देशभर की महत्वाकांक्षी युवा महिलाओं को सीआईएसएफ में शामिल होने और राष्ट्र की सेवा करने के लिए और प्रोत्साहन मिलेगा।इससे सीआईएसएफ में महिलाओं को एक नई पहचान मिलेगी। सीआईएसएफ मुख्यालय ने नई बटालियन के मुख्यालय के लिए जल्द भर्ती, ट्रेनिंग और स्थान के चयन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रशिक्षण को विशेष रूप से डिजाइन किया जा रहा है जिसमें एक विशिष्ट बटालियन बनाई जा सके और बल की महिलाओं को वीआईपी सुरक्षा में कमांडो के रूप में हवाई अड्डों की सुरक्षा दिल्ली मेट्रो रेल सुरक्षा जैसी विविध कर्तव्य स्थलों पर सुरक्षा सेवा प्रदान करने हेतु सक्षम बनाया जा सके। 53वें सीआईएसएफ दिवस के अवसर पर माननीय केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देश के अनुसरण में बल में सभी महिला बटालियनों के सृजन की प्रक्रिया शुरू की गया थी।

बेखौफ शायर डॉक्टर नरेश सागर ने दिल्ली के इंडियन पोइट क्लब में अपनी शायरी जहर के डिब्बे में ढूंढते हो दवा से श्रोताओं को किया मंत्र मुग्ध

संस्कार उजाला

हापुड़। हापुड़ के छोटे से गांव मुरादपुर की सागर कालोनी में रहने वाले मशहूर बेखौफ शायर डा.नरेश सागर ने दिल्ली के इंडियन पोइट क्लब में अपनी शायरी से सभी को मंत्रमुग्ध करते हुए कुछ यूं पढा कि.फाके बदले में,वफा ढूढते हो। जहर के डिब्बे में,दवा ढूंढते हो ।। नादानी इतनी भी,ठीक नहीं 'सागर'। कातिलों की बस्ती में,खुदा ढूंढते हो।। दिल्ली के निर्वाण बिहार में इंडियन पोइट क्लब के तत्वाधान में एक बडा कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया। जिसमे करीब सौ साहित्यकारों का काव्य पाठ हुआ। जिसमें राजस्थान, हरियाणा,पंजाब और उत्तर प्रदेश भी शामिल रहा। मशहूर हस्तियों में गोल्डी राजा, राम श्याम हसीन, संजीव निगम,नईम हिंदुस्तानी, फरीद अहमद,प्रेम सागर प्रेम, डा.अशोक मधुप, रोहित राज , हूमा खातून, सुधा बसोर, कामना मिश्रा, आर.डी.गौतम, अजय त्यागी, मधु अरोरा आदि उपस्थित रहे।

पालतू गाय छोड़ने पर लगेगा 20 हजार रुपए का जुमार्नाः डीएम

संस्कार उजाला

शाहजहांपुर /जनपद के जो लोग पालतू गाय को दूध निकाल लेने के बाद सड़कों पर घूमने के लिए छोड़ देते हैं ऐसे गाय पालने वालों पर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने निर्देश दिए हैं कि ऐसी सभी गायों को पकड़ा जाए तथा गाय पालने वालों पर रु0 20000 का जुमार्ना वसूला जाए। उन्होंने कहा कि पशुपालकों द्वारा रात्रि एवं दिन में पशुओं को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है जिससे आने जाने वाले लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है। जिलाधिकारी ने कहा कि पशु पकड़े जाने पर 20 हजार रुपए का जुमार्ना लगाया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर हर्ष व्यक्त किया

संस्कार उजाला
सहारनपुर नागल.
इंडियन फिटनेस बॉडीबिल्डिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में नई दिल्ली के बदरपुर में आयोजित हुई मास्टर नॉर्थ इंडिया बॉडीबिल्डिंग एंड फिटनेस चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने पर हर्ष व्यक्त किया गया। मिली जानकारी के अनुसार नई दिल्ली के बदरपुर में आयोजित हुई मिस्टर नॉर्थ इंडिया बॉडीबिल्डिंग एंड फिटनेस चैम्पियनशिप में प्रतिभाग करते हुए कस्बा नागल के गांव साधारणसिर निवासी ग्राम प्रधान रविन्द्र कुमार के पुत्र ऋतिक ने 70 किलोग्राम भारवर्ग में गोल्ड मेडल तथा साथ ही मेन फिजिक्स में भी गोल्ड मेडल जीतकर कस्बे का नाम रोशन किया है। जिससे कस्बे वासियों में हर्ष की लहर है। एसआर बाउंसर ग्रुप से राहुल राज गौतम ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कस्बे में पहुंचने पर ऋतिक का जोरदार स्वागत किया जाएगा। इस दौरान कोच राशिद राणा, राहुल राज गौतम भीम आर्मी, दीपक बौद्ध भीम आर्मी, रजत चौधरी, सूरज सैनी, समाजसेवी जोगेंद्र सैनी, अरुण चक्रवर्ती अल्टीमेट जिम, जगमीर सिंह कर्णवाल, रवि कुमार, लक्की राणा, कोषित भाटिया, सन्नी भाटिया, आशीष कुमार, हरिकांत, अभिषेक कुमार, कार्तिक, शुभम व सुन्नू पहलवान समेत आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर शहर के कोतवाली देहात प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दो वारंटी दबोचे...

संस्कार उजाला
सहारनपुर एसएसपी के निर्देशन में अपराध नियंत्रण व वांछित वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एंव क्षेत्राधिकारी द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक चन्द्रसैन सैनी के कुशल नेतृत्व मे मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम द्वारा 02 वारण्टी अभियुक्तगण 01. अभियुक्त शोएब गाडा पुत्र मुस्तकीम निवासी गणपति विहार रसूलपुर एवं 02. अभियुक्त पंकज उर्फ लुक्का पुत्र कर्मवीर उर्फ टिट्डा निवासी ग्राम दतौली राघंड थाना कोतवाली देहात जनपद सहारनपुर को थाना कोतवाली देहात क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अन्य आवश्यक विधिक कार्यवाही कर समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

25 नवंबर को बंद रहेंगी सभी मांस, मछली की दुकानें...

संस्कार उजाला
कल सोमवार 25 नवंबर को महानगर के सभी सलाटर हाउस, मांस, मछली, मुर्गा आदि की दुकाने पूरी तरह बंद रहेंगी। आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। नगर निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ संदीप मिश्रा ने शासन के निर्देश पर उक्त आदेश जारी किए है। डॉ मिश्रा द्वारा जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि साधू टी एल वासवानी के जन्म दिन 25 नवम्बर को मांस रहित दिवस घोषित किया गया है। शासन के निर्देश पर कल 25 नवंबर दिन सोमवार को नगर निगम सीमान्तर्गत सभी पशुवधशाला, मांस, मछली तथा मुर्गा आदि की दुकाने अनिवार्य रूप से बंद रहेंगी। इस आदेश का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। आदेश का उल्लंघन कर यदि कोई दुकान खुली पायी गई तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी...

रोटरी क्लब ऑफ नोएडा और तिरुपति आई सेंटर ने प्रोजेक्ट दृष्टि का उद्घाटन किया

संस्कार उजाला
नोएडा, रोटरी क्लब ऑफ नोएडा ने सेक्टर 33 नोएडा स्थित तिरुपति आई सेंटर में ₹प्रोजेक्ट दृष्टि₹ के तहत मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह प्रोजेक्ट पिछले तीन वर्षों से चल रहा है और इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को आधुनिक तकनीक द्वारा मोतियाबिंद के ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा प्रदान करना है। रोटरी क्लब ऑफ नोएडा की अध्यक्ष और तिरुपति आई सेंटर की वरिष्ठ आई सर्जन डॉ. मोहिता शर्मा इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 2024-2025 के लिए 300 मोतियाबिंद ऑपरेशन का लक्ष्य रखा गया है। पहला सत्र 24 नवंबर को शुरू हुआ, जिसमें आठ ऑपरेशन किए गए। आगामी दो महीनों में 150 ऑपरेशन और किए जाएंगे। दूसरा सत्र फरवरी-मार्च 2025 में होगा, जिसमें पुनः 150 ऑपरेशन किए जाएंगे। इस पहल में रोटरी क्लब के सभी सदस्य सहयोग करेंगे। प्रोजेक्ट की चेयरपर्सन रोटेरियन सुची भाटला, को-चेयर रोटेरियन अंशु अग्रवाल और सदस्य रोटेरियन सुधीर मीठा हैं। डॉ. मोहिता शर्मा ने बताया कि मोतियाबिंद का इलाज सही समय पर होना बेहद जरूरी है। यह धारणा कि मोतियाबिंद का ऑपरेशन पकने के बाद या केवल सर्दियों में किया जाना चाहिए, पूरी तरह गलत है। आज के आधुनिक तकनीक जैसे लेजर कैटरेक्ट सर्जरी के जरिए यह ऑपरेशन पूरे साल कभी भी किया जा सकता है। यह तकनीक छोटे चीर से ऑपरेशन करने और तुरंत लेंस लगाने में सक्षम है, जिससे मरीज को बहुत कम परहेज करना पड़ता है। तिरुपति आई सेंटर की टीम गौतम बुद्ध नगर जिले के गांवों में कैंप लगाकर मरीजों का चयन करती है। ऑपरेशन के लिए आने-जाने की व्यवस्था भी की जाती है। पिछले तीन वर्षों में सैकड़ों मरीजों का सफल इलाज हुआ है, जिससे उनकी दृष्टि में सुधार आया और वे अपने सामान्य जीवन व आजीविका में लौट आए हैं। इस पहल से उन लोगों को दृष्टि की नई रोशनी मिल रही है, जो आर्थिक सीमाओं के कारण इलाज से वंचित रह जाते हैं। रोटरी क्लब ऑफ नोएडा और तिरुपति चैरिटेबल ट्रस्ट का यह प्रोजेक्ट समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

भाजपा और एनडीए की हुई ऐतिहासिक जीत पर यूपी के सीएम ने प्रदेश कार्यालय पर मिठाई खिलाकर किया स्वागत

संस्कार उजाला ब्यूरो
देवेंद्र कुमार मिश्रा
लखनऊ भारतीय जनता पार्टीऔर एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी डिप्टी सीएम बृजेश पाठक एवं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी कार्यक्रम में शामिल रहे भाजपा की ऐतिहासिक जीत 2027 के चुनाव का उत्तर प्रदेश में संकेत दे रही है जनता जनार्दन का भाजपा पर अटूट विश्वास मजबूती के साथ बढ़ रहा है जनता ने एक बार फिर भाजपा पर विश्वास जताते हुए मोहर लगा दी है डबल इंजन की सरकार देश में विकास के पथ पर अग्रसर है उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनावों में भाजपा-एनडीए को मिली ऐतिहासिक विजय के अवसर पर आज लखनऊ में आयोजित 'विजयोत्सव'का कार्यक्रम प्रदेश कार्यालय पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया मुख्यमंत्री ने यूपी की देवतुल्य जनता को धन्यवाद देते हुए कहा डबल इंजन की सरकार के सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि के संकल्प पर अपनी विजयी मुहर लगा दी है। जनता-जनार्दन का यह अटूट विश्वास दशार्ता है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की नीतियां और निर्णय देश और समाज के अनुकूल हैं प्राणपण से यूपी सरकार की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए सभी समर्पित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं का हृदय से अभिनंदन एवं विजयी प्रत्याशियों को बधाई

अखिल भारत हिंदू महासभा का अधिवेशन संपन्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलेगा महासभा का प्रतिनिधिमंडल,भारत को पुनः विश्वगुरू की पदवी पर आसीन किया जाएगा-मुन्ना कुमार शर्मा

संस्कार उजाला
हरिद्वार, कनखल स्थित राजपूत पंचायत धर्मशाला में आयोजित अखिल भारत हिंदू महासभा के 62वें विशेष राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने केंद्र सरकार से समान नागरिक कानून, मजबूत जनसंख्या नियंत्रण कानून सहित संतों की रक्षा, लव जेहाद पर रोक तथा गौहत्या रोकने के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की। दो दिवसीय विशेष अधिवेशन के अंतिम दिन प्रथम सत्र में आयोजित महासभा की राष्ट्रीय महासमिति की बैठक में स्वागताध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी सहजानन्द पुरी महाराज ने मुन्ना कुमार शर्मा के महासभा का अध्यक्ष निर्वाचित होने की घोषणा करते हुए कहा कि महासभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा कुशल संगठनकर्ता, अच्छे वक्ता, परिश्रमी, विद्वान व संगठन के प्रति निष्ठावान हैं। उनके नेतृत्व में महासभा के एजेंडे को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाते हुए अधिवेशन में पारित प्रस्तावों को लागू कराने के लिए एक

भाकियू तोमर जिला कार्यालय पर हुआ एक मीटिंग का आयोजन

गन्ना तोल सेंटरो पर घटतोली नहीं होगी बर्दाश्त:सौरभ त्यागी

संस्कार उजाला
नागल सहारनपुर
अजय त्यागी नागलः भारतीय किसान यूनियन तोमर युवा जिला अध्यक्ष कार्यालय पर एक मीटिंग का आयोजन किया गया जिसमें युवा जिलाध्यक्ष सौरभ त्यागी ने कहा कि लगातार गन्ना तोल सेंटरो पर घटतोली की शिकायत मिल रही है जिसे संगठन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा और कहा कि जल्द ही एक टीम बनाकर सेंटरों पर छापेमारी की जाएगी और जिस सेंटर पर घटतौली पकड़ी जाती है उस पर कानूनी कार्रवाई कराई जाएंगी इस दौरान संगठन का विस्तार करते हुए युवा जिलाध्यक्ष सौरभ त्यागी ने मीरपुर के युवा मोहम्मद राजुल को नागल ब्लॉक का महामन्त्री नियुक्त भी किया। नवनियुक्त ब्लांक महामंत्री मोहम्मद राजूल ने जिला अध्यक्ष का आभार जताते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी संगठन द्वारा उन्हें दी गई है। वह उसका पूरी ईमानदारी से पालन करेंगे और अपने किसान भाइयों की समस्याओं के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे इस दौरान नीरज राणा, अंकित, अलीम , श्रवण, शंकर, रोबिन, अमर, सुंदर लाल, सचिन, विकास, अनुज, अनीस, सौरभ वालिया, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कस्बे में पहुंचने पर गद्दी उन के महंत आचार्य कंवरपाल ब्रह्मचारी जी का जोरदार स्वागत

संस्कार उजाला
नागल सहारनपुर
अजय त्यागी नागल :अखिल भारतीय संत शिरोमणी सतगुरु रविदास मिशन गद्दी ऊन के महंत आचार्य कंवरपाल ब्रह्मचारी जी महाराज का कस्बा नागल में पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सांय करीब पांच बजे कस्बे के मैन बाजार स्थित एसडी गौतम के प्रतिष्ठान पर पहुंचे आचार्य कंवरपाल ब्रह्मचारी जी महाराज ने कहा कि मानव चोले में इंसान के पास सतमार्ग करने के अनेकों अवसर होते है लेकिन मनुष्य विषय विकारों में फंसकर अपने जीवन को पाप का भागीदार बनाता है इसलिए मानव जीवन में प्रत्येक मनुष्य को अपने समय को सत्कार्य में लगाकर अधिक से अधिक शिक्षा हासिल कर मुकाम हासिल चाहिए और बुरे व्यसनों से दूर होकर शाकाहारी जीवन जीना चाहिए। उन्होंने सभी से एकजुट होकर बहुजन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके विचारों पर चलने की बात कही। आगमन से पूर्व आचार्य जी का संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी महाराज की प्रतिमा देकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान रामपाल सिंह गौतम, सोनू सैनी सुदर्शन, सुरेश कुमार, अजय कुमार प्रधान, राहुल दास, बिरमपाल प्रधान, ओमप्रकाश, रविकुमार, अजीत कुमार, विनोद कुमार, सूरजभान, रोहित नौटियाल , तेजपाल, इरफान पहलवान, मुशर्रफ, विनायक गौतम, मनोज दास, समेत आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

गागलहेड़ी---बकाया गन्ना भुगतान ना होने पर किसान यूनियन ने दया शुगर मिल पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया। तीन दिसंबर तक भुगतान ना होने पर भूख हड़ताल सहित जिला अधिकारी का घेराव करने की चेतावनी दी।

संस्कार उजाला
सहारनपुर भारतीय किसान यूनियन टिकैत के कार्यकर्ताओ की बैठल मांडेबॉस स्थित तहसील अध्यक्ष नरेश कुमार के आवास पर सम्पन्न हुई। बैठक मे बोलते हुए पूर्व मंडल सचिव नरेश यादव ने कहा की दया शुगर मिल प्रबंधन ने किसानो से 22 नवंबर तक पिछला सभी भुगतान करने तथा नये सत्र का हर सप्ताह भुगतान करने का वादा किया था। लेकिन मिल प्रबंधन अब वादा खिलाफी कर रहा है। किसानो का ना तो बकाया भुगतान किया गया है ओर ना ही नये सत्र का भुगतान दिया गया है। उन्होंने कहा की मिल प्रबंधन ने किसानो से मिल चलने के दस दिन बाद ही 15 करोड़ 60 लाख रुपए पिछला भुगतान करने का तथा हर सप्ताह पांच करोड़ नये सत्र का भुगतान करने का वादा किया जिस पर मिल प्रबंधन खरा नहीं उतरा है। जिससे किसानो मे भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा की 28 नवंबर किसानो को महापचायत आयोजित की जाएगी जिसमे सभी किसान आगे की रणनीति तय करेंगे की मिल को गन्ना दिया जाये या नहीं। उन्होंने मिल प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा की यदि दो दिसंबर तक समस्त भुगतान नहीं होता है तो तीन दिसंबर के बाद जिला अधिकारी का घेराव किया जायेगा साथ ही किसान मिल गेट पर भूख हड़ताल करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होंगी। किसान अब आरपार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है। बैठक मे डॉ रणवीर,सुखबीर भगत, धर्मवीर सिंह, रईश, अनीश ,रोहताश,अनूप सिंह, प्रवीण कुमार, महताब अली, जब्बार प्रधान, अंजीम, निरंकार सिंह, गौरव यादव, सुनील कुमार, नरेंद्र यादव, आदि मौजूद रहे।

गन्ना उठान की धीमी गति से गन्ना सेटंर पर लग रहा जाम,किसान परेशान

नाराज किसानों ने गन्ना क्रय केंद्र पर किया विरोध -प्रदर्शन

संस्कार उजाला
पूरनपुर,पीलीभीत।
गन्ना क्रय केंद्र पर कई दिनों से उठान न होने से खफा किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि कई दिनों से गन्ना उठान की धीमी गति से क्रय केंद्र पर जाम की स्थिति उतपन्न है। गन्ना क्रय केंद्र पर ट्रांसपोर्टर की लापरवाही से किसान बेहद परेशान है। इससे नाराज किसानों ने शनिवार को गन्ना क्रय केंद्र पर विरोध प्रदर्शन कर नाराजगी जाहिर की। किसानों ने ट्रांसपोर्ट व्यवस्था सही कराने की मांग की है। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में एलएच चीनी मिल पीलीभीत का गन्ना क्रय केंद्र लगा हुआ है।जिस पर किसानों के गन्ने की खरीद की जा रही है। किसानों ने बताया कि पिछले कई दिनों से गन्ने का उठान नहीं हो रहा है। जिससे किसानों को काफी परेशानी हो रही है।उठान व्यवस्था को लेकर किसानों ने बेहद रोष जताया। गन्ना उठान की धीमी गति को लेकर किसानों ने रविवार को क्रय केंद्र पर विरोध प्रदर्शन किया है। किसानों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए ट्रांसपोर्ट व्यवस्था सही कराने की मांग की है। आरोप है कि समय से गन्ने का उठान न होने के कारण केंद्र पर नियमित तौल नही हो रही है, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।किसानों ने जल्द ही गन्ना उठान की समस्या का समाधान करने की मांग की है। विरोध प्रदर्शन करने वालों में नरदेव शर्मा,मनोज, श्रीपाल बड़ेलल्ला , राकेश , राम जी गुप्ता , शिवकुमार गुप्ता , कृष्ण कुमार , मोहम्मद शरीफ , देवेश , सनोज तिवारी , लालाराम राठौर , पंकज गुप्ता , चंद्रस्वरुप , सुरेश , चौधरी भारती , आकाश भारती सहित तमाम किसान मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा परिषदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ आयोजन राज इंटर नेशनल स्कूल में

फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक चेतराम ने किया

बंडा (शाहजहांपुर)।
बंडा के राज इंटरनेशनल स्कूल सुनासिर रोड में शुक्रवार को भाजपा विधायक चेतराम ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर ₹बेसिक शिक्षा परिषदीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता₹ का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में स्कूल के छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने अभिनय व कला का प्रदर्शन करते हुए मंचासीन लोगों का मन मोह लिया। साथ ही दौड़ में भाग लेने वाले बच्चों हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं दौड़ में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय आने वाले बच्चों को विधायक ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। पुरस्कार पाकर छोटे-छोटे बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर साथ में मैनेजिंग डायरेक्टर सरदार महेंद्र सिंह चहल, प्रिंसिपल अरविंद सिंह, पीटीआई वीरपाल यादव, नरेश चंद्र श्रीवास्तव, मोहित सिंह, शैलेंद्र सिंह चौहान, शैलेंद्र गंगवार सहित शिक्षक शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

यूपी में भूमि अधिग्रहण शुरू

संस्कार उजाला
हरदोई। इटावा के कुदरैल गांव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे से बुंदेलखंड एक्सप्रेस को जोड़ने वाले चैनेज से गंगा एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के लिए नया एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है। नवनिर्मित एक्सप्रेस-वे हरदोई जनपद की सवायजपुर तहसील के कौसिया गांव में गंगा एक्सप्रेस-वे से मिलेगा। नवनिर्मित एक्सप्रेस-वे इटावा से हरदोई को वाया फरुर्खाबाद जोड़ेगा। शासन की ओर से स्वीकृति मिलने के साथ ही लिंक एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए यूपीडा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यूपीडा ने आगरा एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस वे को जोड़ने वाले इस एक्सप्रेस वे के निर्माण के लिए रेडीकान इंडिया लिमिटेड को प्रोजेक्ट डेवलपमेंट कंसल्टेंट के रूप में चयन किया है। इटावा, फरुर्खाबाद एवं हरदोई जनपद को सीधे जोड़ने वाला लिंक एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे व आगरा एक्सप्रेस-वे को जोड़ेगा ही, बनने वाला नया एक्सप्रेस वे सीधे चित्रकूट एक्सप्रेस-वे से भी जुड़ जाएगा। यूपीडा के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी नगर मजिस्ट्रेट ने बनने वाले लिंक एक्सप्रेस-वे के सरेखण में आने वाले सवायजपुर एवं शाहाबाद तहसीलों के राजस्व गांवों से संबंधित राजस्व नक्शों एवं अभिलेखों को उपलब्ध करवाने के लिए पत्र लिखा है।

रामपुर में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक संगठन की महापंचायत का आयोजन 28 नवंबर को होगा

खेड़ा मुगल में संगठन की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें नए पदाधिकारीयो को संगठन की जिम्मेदारी दी गई

☞संगठन में शामिल हुए नये कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि संगठन को मजबूत करने का काम किया जाएगा

संस्कार उजाला संवाददाता
सहारनपुर में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक संगठन का कुनबा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। गांव खेड़ा मुगल में भाकियू की हुई एक बैठक में विभिन्न किसान संगठनो के कार्यकर्ता अपना संगठन छोड़कर आए और इन कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष चौधरी सुदेशपाल के नेतृत्व में संगठन मे शामिल हुए। शामिल हुए किसानों को संगठन की जिम्मेदारी दी गई। सहारनपुर क्षेत्र के गांव खेड़ा मुगल में भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के कार्यकताओं की एक आवश्यक बैठक हुई बैठक मे आगामी 28 नवम्बर को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर राजेश सिंह चौहान के कस्बा रामपुर मे कार्यक्रम में अधिक से अधिक पहुंचने का आह्वान किया गया। बैठक मे बोलते हुए भाकियू के जिला अध्यक्ष चौधरी सुदेशपाल ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर हमारा संगठन संघर्षशील है जिसके चलते आज हमारे संगठन मे अन्य संगठनों के लोग हमारे संगठन में शामिल हो रहे है। उन्होंने कहा कि भाकियू (अराजनैतिक) किसानों एवं गरीब मजदूरों की समस्याओं को बड़े बड़ी मजबूती के साथ उठाकर उनका निस्तारण करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर राजेश चौहान जी आगामी 28 नवंबर को रामपुर कस्बे मे एक बहुत बड़ी किसान पंचायत मे शामिल होने आ रहे है यह संगठन से जुड़े कार्यकताओं के लिय गर्व की बात है सभी को अधिक संख्या में किसान पंचायत मे पहुंचकर उनका सम्मान और मनोबल बढ़ाने का काम करे।जो भी हम किसान भाइयों की समस्याएं है उनको राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने रखे जिनको अधिकारीयों से मिलकर हल कराने का काम किया जाएगा। बैठक के बाद जिला अध्यक्ष चौधरी सुदेश पाल ने अंकुर चौधरी को देवबंद तहसील मीडिया प्रभार, रामकुमार को जिला प्रभारी, शीशपाल को प्रतिनिधि जिला प्रभारी,मंगल सैन को नागल का ब्लाक उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। नवनियुक्ति सभी पदाधिकारियों ने जिला अध्यक्ष को भरोसा दिलाया है कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है संगठन के लिए ईमानदारी से काम करते रहेंगे। बैठक मे जिला उपाध्यक्ष प्रधान कुलदीप, तहसील बेहट अध्यक्ष अनुज शर्मा, तहसील प्रवक्ता मास्टर प्रमोद कुमार, युवा ब्लाक अध्यक्ष नागल अनुज कुमार, तालिब त्यागी, रामकुमार, राजकुमार पाल सहित इलाके के किसान मौजूद रहे

लखनऊ में मुफ्त जमीन लेने उमड़ी भीड़

5 हजार लोगों ने जमा किया फॉर्म, मौलाना जव्वाद बोले-वक्फ की जमीन पर बेघरों का बनेगा आशियाना

लखनऊ । ठाकुरगंज स्थित कर्बला अब्बास बाग में रविवार को हजारों लोग मौलाना कल्बे जव्वाद की घोषणा पर मुफ्त मकान लेने पहुंचे। अब्बास बाग की जमीन पर हो रहे अवैध निर्माण का मौलाना लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। मौलाना जव्वाद ने कहा कि लखनऊ में जिन लोगों के पास मकान नहीं है वह 10 रुपए के स्टांप पेपर के साथ आधार कार्ड जमा करें। मौलाना जव्वाद ने कहा कि अब्बास बाग की जमीन का मामला कोर्ट में चल रहा है। उसके बाद भी दबंग बिल्डर लगातार अवैध निर्माण कर रहे हैं। जिला प्रशासन से कई बार लिखित में शिकायत कर चुके हैं, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही। रविवार को 5 हजार से अधिक की संख्या में शिया समुदाय के बेघर लोग पहुंचे, सभी का फॉर्म जमा किया जा रहा है। अगले 4 दिनों तक फार्म जमा करने की प्रक्रिया चलेगी। उसके 21 दिन बाद जो जरूरतमंद और बेघर लोग हैं उन्हें 300 स्क्वायर फीट का प्लाट दिया जाएगा। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि कर्बला अब्बास बाग के अलावा शहर में जितने भी शिया वक्फ बोर्ड की जमीनों पर अवैध कब्जे हैं उसे खाली करवाया जाएगा।

शिया समुदाय के गरीब लोगों को वहां मुफ्त बसाया जाएगा। पिछले 2 सालों से अवैध निर्माण की शिकायत कर रहे हैं, मगर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पुलिस से जब शिकायत करो तो हमेशा आश्वासन मिलता है कि निर्माण नहीं हो रहा है। देखते-देखते कई मकानों के निर्माण हो गए। पुलिस के द्वारा लगातार गुमराह किया जा रहा है। अब हम लोग इस पूरी जमीन का ड्रोन कैमरे से निगरानी करेंगे।

प्लॉट के लिए कागज जमा करने पहुंचे अख्तर हुसैन ने कहा कि मौलाना का बहुत अच्छा फैसला है। हम पिछले 12 साल से किराए के मकान में रह रहे हैं। मौलाना के इस घोषणा से उम्मीद जगी है कि शहर में अपना मकान हो जाएगा। पिताजी के साथ सर्वेंट कंपाउंड में रहते थे, उनके रिटायर होने के बाद हम लोग किराए के मकान में रहने को मजबूर हैं।

राम-भरत मिलाप मानवता और दिव्यता का मिलन: अतुल कृष्ण

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के अमवा श्री दूबे में आयोजित श्री रुद्र महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर करने के लिए श्री धाम वृंदावन से पधारे मानस मर्मज्ञ अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने अपने ज्ञानवर्धक और भावनात्मक प्रवचनों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने प्रवचन में उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास रचित रामचरितमानस के प्रसिद्ध प्रसंग राम-भरत मिलाप पर गहन व्याख्या प्रस्तुत की। श्री महाराज जी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने राम-भरत मिलाप को अत्यंत हृदयस्पर्शी रूप में चित्रित किया है। उन्होंने उठे राम सुनी प्रेम अधीरा की विस्तृत व्याख्या करते हुए बताया कि इस एक पंक्ति में प्रेम और समर्पण की पराकाष्ठा का वर्णन निहित है। भरत का प्रेम और उनकी अटूट भक्ति भगवान श्री राम के प्रति अनन्य समर्पण का आदर्श उदाहरण है। यह मिलाप केवल दो भाइयों का नहीं, बल्कि मानवता और दिव्यता का मिलन है। महाराज जी ने कहा कि इस प्रसंग से हमें यह सीख मिलती है कि सच्चा प्रेम किसी भी स्वार्थ या अपेक्षा से रहित होता है। भरत ने भगवान राम के प्रति जो समर्पण दिखाया, वह आज के समय में सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका प्रेम इतना गहन था कि भगवान श्री राम भी उसे देखकर भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर तमकुही के विधायक डा.असीम राय,भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डा. प्रेमचंद मिश्र, वरिष्ठ नेता अजय तिवारी, डा. कन्हैया शर्मा, डा.अजय शाही, अनिल जायसवाल,आद्या सिंह, पशुपति शुक्ला, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विजय बहादुर सिंह, अमरेन्द्र राय, यज्ञाचार्य पंडित त्रिभुवन पाण्डेय, मुख्य यजमान सोनी देवी हिरण्यगर्भ द्विवेदी पंकज, ज्ञानेश्वर द्विवेदी दीपक, प्रेम पांडेय, हृषीकेश द्विवेदी,चित्रसेन द्विवेदी,जीतन गौड़, अशर्फी गुप्ता, सुरेश उपाध्याय, अखिलेश द्विवेदी, उपेंद्र द्विवेदी, ग्राम प्रधान राकेश द्विवेदी समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पीएम मोदी के मन की बात में 38557 लोगों ने की सहभागिता

संवाददाता

कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र के मन की बात कार्यक्रम के 116 वें संस्करण को जनपद में बूथ स्तर पर प्रसारित किया गया। बूथों पर भाजपा के जनप्रतिनिधि पदाधिकारी और कार्यकर्ता आमजनों के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुना। मन की बात के 116 वें संस्करण में प्रधानमंत्री मोदी ने एनसीसी दिवस के महत्व पर चर्चा की, जिसमें एनसीसी कैडेट्स के विकास और आपदा राहत में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने विकसित भारत के लिए युवा सशक्तिकरण पर जोर दिया और विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के बारे में बात की। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनने में मदद करने वाले युवाओं और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सफलता की प्रेरक कहानियां भी साझा की। नमन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि जनपद के सभी 2303 बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम प्रसारित किया गया जिसमें 38557 लोगों ने सहभागिता किया। जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने बताया कि रविवार को संगठन पर्व के अन्तर्गत सभी शक्ति केंद्र चुनाव अधिकारी अपने अपने शक्ति केंद्र में बूथ समिति की बैठक के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में सहभागी रहे।

संक्षिप्त डायरी

मोरम खण्ड 25/21 इछौरा में जांच टीम को नजर नहीं आया अवैध खनन

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की सरीला तहसील के मोरम खण्ड इछौरा सं०- 25/21 में मोरम के अवैध खनन किये जाने की खबरें चलने के बाद खण्ड में जांच करने पहुंची प्रशासन की टीम को मौके पर न तो कहीं प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीने अवैध खनन करती नजर आईं, और न ही खण्ड संचालक विवेक श्रीवास्तव के गुर्गों द्वारा एनजीटी के नियमों की धज्जियां उड़ाकर नदी की जलधारा में किया जा रहा अवैध खनन होते मिला, जो बडे.ही आश्चर्य की बात है, जबकि ताज्जुब इस बात का भी है कि जिन खबरों के आधार पर प्रशासनिक टीम इछौरा के मोरम खण्ड 25/21 में छापा मारने गई थी, उन खबरों की तस्वीरों में नदी की जलधारा में प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से मोरम का अवैध खनन होते साफ नजर आ रहा है, जबकि सूचना विभाग की तरफ से जांच टीम प्रभारी के जारी किये गये प्रैस नोट में साफ कहा गया है कि, जांच टीम को मौके पर इस खण्ड में न तो प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीनों से अवैध खनन होते मिला, और न ही नदी की जलधारा में प्रतिबंधित पोकलैण्ड मशीने चलती मिली। प्रैस नोट में ये भी बताया गया है कि जांच टीम को इस खण्ड में मौके पर छोटी मोटी कमियाँ मिली है जिन्हें ठीक करा दिया गया है, और बाकी कमियों को ठीक करने को कहा गया है, जबकि इछौरा के मोरम खण्ड संख्या-25/21 में अवैध खनन की खबरें चलने के बाद पड़े छापे से बौखलाये खण्ड संचालक विवेक श्रीवास्तव और बबलू पाण्डेय के गुर्गे 23 नवंबर को कुछ मठाधीशों के माध्यम से हमीरपुर नगर के अमनशहीद स्थित एक गैस्ट हाउस में पहुँच कर जिम्मेदारों को मैनेज करते दिखे।

फुटबाल प्रतियोगिता: छपरा को पराजित कर नेपाल पहुंचा फाईनल में

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। फाजिलनगर विकास खण्ड के अशोक विद्यापीठ इंटर कालेज नकटहा मिश्र में उद्भवभव त्रिपाठी क्रिकेट क्लब आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल मैच में नेपाल की टीम ने छपरा के टीम को 1-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर गई। नेपाल के खिलाड़ी करण साई को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। रविवार की दोपहर 2 बजे से शुरू हुए इस मैच में ही दोनों हो टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया लेकिन मैच के पहले हाफ तक कोई गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ में नेपाल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच के अंतिम 10 मिनट शेष रहते एक गोल कर अजेय बढ़त बना लिया। इस तरह से नेपाल की टीम 1-0 से विजई घोषित हुई।।प्रतियोगिता शुभारंभ प्रमुख प्रतिनिधि राजेश जायसवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इस दौरान सहकारी बैंक के पूर्व चेयर मैन सुभाष प्रसाद त्रिपाठी, प्रबन्धक उद्भव त्रिपाठी, अध्यक्ष शम्भू शरण सिंह, नवी रसूल साहब, संयोजक नीतेश पांडेय, विनय तिवारी, इंद्रजीत सिंह कुशवाहा, गोलू पांडेय आदि मौजूद थे।

गोरखपुर में स्पाइसजेट फ्लाइट्स की हुई वापसी

गोरखपुर। एयरपोर्ट पर फरवरी से बंद चल रही स्पाइसजेट की फ्लाइट्स एक बार फिर से शुरू होने वाली हैं। 5 दिसंबर से स्पाइसजेट गोरखपुर से मुंबई और दिल्ली के लिए फ्लाइट्स ऑपरेट करेगा। कंपनी ने शेड्यूल रिलीज कर दिया है और ऑनलाइन बुकिंग भी शुरू कर दी है। पैसेंजर्स के लिए ये एक बड़ी रिलीफ है, क्योंकि अब ट्रैवल ऑप्शन्स और बढ़ जाएंगे। फरवरी में अयोध्या एयरपोर्ट से सर्विसेस स्टार्ट होने के बाद स्पाइसजेट ने अपने दिल्ली और मुंबई रूट्स के एयरक्राफ्ट्स को वहां शिफ्ट कर दिया था।

चलती ट्रेन से कूदी महिला, बची जान

कानपुर में दरोगा ने बचाया, प्लेटफॉर्म पर छूट गए थे परिवार वाले

कानपुर । जीआरपी ने चलती ट्रेन से कूदी एक महिला की जान सिर्फ 11 सेकेंड में बचा ली। महिला जैसे ही ट्रेन से कूदी, जीआरपी के दरोगा ने उसका हाथ पकड़ लिया। इससे महिला ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंस गई। सिपाही ने ट्रेन के साथ घिसट रही महिला को बाहर निकाल लिया। इस बीच, प्लेटफार्म पर मौजूद अन्य लोग भी आ गए। घटना 22 नवंबर की कानपुर सेंट्रल स्टेशन की है। जिसका सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया है। परिवारवालों ने जीआरपी की सराहना की है। कानपुर सेंट्रल के प्लेटफार्म नंबर-1 पर श्रम शक्ति एक्सप्रेस (संख्या 12451) 22 नवंबर की रात करीब 11.57 बजे पहुंची। ट्रेन कानपुर से दिल्ली के लिए चलती है। ट्रेन पर एक महिला चढ़ गई। इसी बीच ट्रेन प्लेटफार्म से चल दी, लेकिन उसके परिवार वाले प्लेटफार्म पर ही छूट गए। इससे महिला घबरा गई। वह ट्रेन के गेट पर आकर परिवार वालों को बुलाने लगी। साथ ही खुद भी उतरने का प्रयास करने लगी। यह सब जीआरपी के दरोगा शिवसागर ने देखा, तो वह मौके पर पहुंच गए। वह महिला को चलती ट्रेन से उतरने के लिए मना करने लगे। जैसे-जैसे ट्रेन आगे बढ़ रही थी, दरोगा भी महिला को समझाते हुए साथ चल रहे थे।

इसी बीच ट्रेन की स्पीड बढ़ गई। अपनों को छूटता देख महिला उल्टी दिशा में मुंह करके ट्रेन से कूद पड़ी। इस पर साथ चल रहे दरोगा शिवसागर ने उसका हाथ पकड़ लिया। महिला का पैर चलती ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। महिला एक हाथ से दरवाजे को पकड़े हुए थी, इसलिए वह भी ट्रेन के साथ घिसटने लगी। इसी बीच दरोगा ने उसे महज 11 सेकेंड के अंदर बाहर निकाल लिया। इस बीच अन्य सिपाही भी आ गए थे। घटना के समय निरीक्षक शिवसागर, क्यूआरटी के कांस्टेबल अनूप कुमार प्रजापति के साथ प्लेटफार्म ड्यूटी पर थे। उनके साथ हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार यादव और हेड कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, कांस्टेबल विशाल सिंह, कांस्टेबल आनंद कुमार भी मौजूद थे। निरीक्षक शिव सागर ने बताया कि मेरी नजर उस महिला पर तब पड़ी। जब वह डिब्बे के दरवाजे के पास खड़े होकर चिल्ला रही थी कि मेरे परिवार वाले छूट गए हैं... मेरे परिवार वाले छूट गए हैं... उन्होंने कहा कम से कम 8 से 10 बार उसे महिला ने चिल्ला चिल्ला कर यह बात कही तो मेरी नजर उसे और पड़ गई। जैसे ही देखा कि वह चलती ट्रेन से उतारने का प्रयास कर रही है। मैं भी उस और बढ़ गया। जब तक पहुंचा वह महिला ट्रेन से उतर गई। ट्रैक और प्लेटफार्म के बीच गिर गई। लेकिन उस महिला का हाथ पकड़ लिया। तब तक अन्य मेरे साथ के लोग भी आ गए। घटना के दौरान ही सूचना जीआरपी सिपाहियों ने गार्ड के पास तैनात क्यूआरटी टीम को वायरलेस के द्वारा कर दी। इसके बाद तत्काल ट्रेन रुक गई।

इसके बाद महिला और उसके परिवार वालों को ट्रेन में बैठा दिया गया। इस दौरान करीब दो मिनट तक ट्रेन रुकी रही। बचाई गई महिला के साथ तीन महिलाएं, दो पुरुष और एक बच्च साथ में था। यह लोग दिल्ली जा रहे थे।

बिंवार क्षेत्र की झाडियों में मिला 40 वर्षीय व्यक्ति का शव

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में 24 नवंबर 2024 को पी०आर०वी० सहित मौदहा पुलिस को सूचना मिली थी, कि थाना क्षेत्र के ग्राम चकदहा निवासी जगन्नाथ कुशवाहा पुत्र लल्ली कुशवाहा उर्फ खुशाली का शव बिंवार थाना क्षेत्र के लरौंद रोड के किनारे झाड़ियों में पडा. है। जानकारी पर क्षेत्राधिकारी सदर ने पुलिस के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की बारीकी से जांच की,

साथ ही फील्ड यूनिट टीम ने भी की भी मौके पर पहुँच कर फिंगर प्रिंट लिये। जबकि पुलिस कप्तान दिक्षा शर्मा ने बताया कि बिंवार क्षेत्र में मिले शव का पंचायतनामा भरकर भेज दिया गया है। वहीं मृतक के परिवार वालों की तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

आजमगढ़ में पैसा दोगुना करने के नाम पर धोखाधड़ी

आजमगढ़। जिले के कोतवाली क्षेत्र के एलवल में 500000 की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में मृदल जायसवाल ने कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि आरोपीय सनी जालान संतोष कुमार और माया जालान जोकि अपने घर में आर्थिक म्युचुअल बेनिफिट इंडिया लिमिटेड शिव शक्ति के नाम से कंपनी चलाते थे। आरोपियों ने पीड़ित के पैसे दोगुना करने का वायदा करके 500000 जमा कराया। इसके साथ ही आरोपियों ने 3 वर्ष में पैसे को दोगुना करने का वायदा भी किया था। 3 वर्ष पूरे हो जाने के बाद जब पीड़ित अपना पैसा मांगने लगे तो आरोपी लगातार बहाने बनाने लगा। इस बारे में जब पीड़ित ने कंपनी के बारे में पता किया तो पता चला कि यह कंपनी पूरी तरीके से फर्जी है। इसके बाद पीड़ित को अपने साथ ठगी का एहसास हुआ। इस मामले में पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई। इसी क्रम में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मामले की विवेचना कर रहे सब इंस्पेक्टर लाल बहादुर बिंद्रा ने बताया कि धोखाधड़ी की घटना में आरोपित आरोपियों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अश्वनी कुमार जालान अग्रसेन चौराहे के पास से कहीं भगाने के प्रयास में है। इस सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। आरोपी को न्यायालय भेजा जा रहा है जहां से जेल रवाना किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुराने गर्म कपड़े दान हेतु रोटरी क्लब कुशीनगर ने लगाया स्टाल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। रविवार को कसया स्थित गांधी चौक पर अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन रोटरी क्लब कुशीनगर के सौजन्य से विगत वर्षों के भांति इस वर्ष भी ठंड से जरूरतमंदों को राहत दिलाने हेतु एक पहल किया गया है, जिसमें पुराने गर्म कपड़ो को लोगों से इकट्ठा कर जरूरतमंदों के मध्य बांटने हेतु एक अनोखा स्टाल गांधी चौक, कसया पर लगाया गया। यह स्टाल पूरे ठंडक तक लगा रहेगा। इस स्टाल का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद कुशीनगर की अध्यक्ष किरन राकेश जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि कसया के थानाध्यक्ष गिरिजेश उपाध्याय के द्वारा फीता काट कर किया गया। नपाप अध्यक्ष ने रोटरी द्वारा किए जा रहे निरंतर सामाजिक कार्यो की उन्होंने जमकर प्रशंसा की। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया।

रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि कार्यक्रम लगातार पाँच वर्षो से चलाया जा रहा है जिससे अब तक हजारों जरूरतमंद लाभान्वित हुए हैं। सचिव अजय सिंह ने नगर वासियों से अपील किया कि अलमारियों और संदूकों में बंद आवश्यकता से अधिक अपने पुराने गर्म पहनने योग्य कपड़े अधिक से अधिक स्टाल पर दान करें, जिससे इस ठंड में जरूरतमंदों की जरूरतें पूरी हो सके। कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमन लोगों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रोटरी के उपाध्यक्ष दिनेश यादव, उपाध्यक्ष संदीप रौनियार, संयुक्त सचिव अखिलेश शर्मा, गौरव मद्धेशिया, फैयाज खान, इम्तियाज आलम, अश्वनी जायसवाल, सरवरे आलम (छोटे), रंजीत श्रीवास्तव, विकास मद्धेशिया एवं आदिल खान के अलावा कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया : हेलीकॉप्टर दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के एक सुदूर इलाके से एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना की खबर सामने आई है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इसमें एक अन्य के घायल होने की खबर है, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) राज्य की पुलिस ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि हेलीकॉप्टर में मौजूद पुरुष यात्री (40) को तुरंत ही एम्बुलेंस कर्मियों द्वारा उपचार दिया गया, मगर उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं हेलीकॉप्टर पायलट (39) को इलाज के लिए मेलबर्न के एक अस्पताल भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर पायलट को कुछ मामूली चोटें आई थी, जिसका उपचार किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) ने इस हादसे की जानकारी देते हुए कहा कि दोनों व्यक्ति एक अमेरिकी पंजीकृत सुपर प्यूमा हेलीकॉप्टर में यात्रा कर रहे थे। यह विमान शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास न्यू साउथ वेल्स में, सिडनी से लगभग 600 किमी पश्चिम और मेलबर्न से 400 किमी उत्तर में वन ट्री नाम के छोटे से शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऑस्ट्रेलियाई समुद्री सुरक्षा प्राधिकरण (एएमएसए) ने कहा कि उसे स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 बजे हेलीकॉप्टर से संकेत मिला। जवाब में, एएमएसए ने खोज शुरू करने के लिए एक बचाव विमान और एयर एम्बुलेंस हेलीकॉप्टर भेजा। खोज में सहायता करने वाले एक स्थानीय स्काईडाइविंग विमान ने दुर्घटना स्थल का पता लगाया। दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर दुर्घटना के समय न्यू साउथ वेल्स के ब्रोकन हिल और एल्बरी शहरों के बीच लगभग 680 किलोमीटर की यात्रा कर रहा था। वहीं इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई परिवहन सुरक्षा ब्यूरो का कहना है कि वह इस दुर्घटना की जांच करेगा।

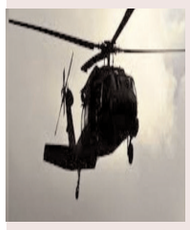

नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में सिडनी हवाई अड्डे पर पकड़े गए इतावली नागरिक को हो सकती है उम्रकैद की सजा

सिडनी, एजेंसी। आस्ट्रेलिया में एक इटली के रहने वाले व्यक्ति को नशीली दवाओं की तस्करी के आरोप में आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) और ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल (एबीएफ) ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सिडनी हवाई अड्डे पर अधिकारियों ने एक 18 वर्षीय इतालवी व्यक्ति के सामान में कथित तौर पर 15 किलोग्राम मेथामफेटामाइन पाया था, जिसके बाद उस पर यह कार्रवाई की गई है। उस व्यक्ति को अदालत में नशीली दवाओं के केस में आरोपी बना कर पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि एबीएफ अधिकारियों ने बुधवार को यूरोप से उड़ान भरकर सिडनी पहुंचने पर उस व्यक्ति के सामान की जांच की। अधिकारियों को कथित तौर पर उस व्यक्ति के सूटकेस में बड़े काले प्लास्टिक के पैकेट में छिपे हुए सफेद पदार्थ के पैकेट मिले। शुरुआती जांच में पता चला कि यह पदार्थ मेथामफेटामाइन है। इस दवा पर ऑस्ट्रेलिया में नियंत्रण लगाया गया है। एएफपी ने उस व्यक्ति को सीमा-नियंत्रित दवा की वाणिज्यिक मात्रा आयात करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अगर वह दोषी पाया जाता है, तो उसे अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार, मेथामफेटामाइन की इस मात्रा से 150,000 तक सौदे किए जा सकते हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 13 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 8.4 मिलियन डॉलर) है। एएफपी के डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट मोर्गन ब्लुंडेन ने एक बयान में कहा, सभी जोखिमों के बावजूद, हम अभी भी नियमित रूप से उन लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं, जिन्होंने हमारे हवाई अड्डों के माध्यम से हमारे देश में अवैध ड्रग्स लाने का प्रयास किया है। बता दें कि इस साल नवंबर की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई आपराधिक खुफिया आयोग द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में मेथामफेटामाइन को ऑस्ट्रेलिया में दूसरी सबसे अधिक खपत की जाने वाली अवैध दवा के रूप में पहचाना गया।

पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी के सऊदी अरब से जुड़े बयान पर मच गया बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के इस बयान पर विवाद खड़ा हो गया है कि जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री की परेशानियां सऊदी अरब की यात्रा के बाद शुरू हुई थीं। उप प्रधानमंत्री व विदेश मंत्री इस्हाक डार और पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने 'एक्स पर पोस्ट की गई बुशरा बीबी की वीडियो क्लिप को लेकर उनकी आलोचना की। बुशरा बीबी ने बृहस्पतिवार को वीडियो बयान में कहा कि खान की समस्याएं उस समय शुरू हुईं जब वह (खान) मदीना गए और उन्हें बिना जूतों के अपने विमान से बाहर आते देखा गया। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद तत्कालीन सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के पास फोन आने लगे। उन्होंने खान की सितंबर 2018 की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा, खान के लौटने के तुरंत बाद, बाजवा को फोन आने लगे और कहा गया कि 'ये तुम क्या उठा के लाए हो? इस वीडियो का उद्देश्य खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों को रविवार को इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रेरित करना था।

इजरायली हवाई हमलों से बेहाल हुआ लेबनान राजधानी बेरुत पर आईडीएफ का खतरनाक प्रहार

बेरुत, एजेंसी। इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह के गढ़ को खत्म करने की कसम खा चुका है। अपनी इस कसम को पूरा करने के लिए इजरायल लगातार हमले कर रहा है। कई रॉकेटों के साथ किए गए इस इजरायली हमले से लेबनान की राजधानी हिल गई। लेबनान के सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक शनिवार की सुबह तड़के ही इजरायल की तरफ से यह हमला किया गया। इस हमले में कम से कम चार रॉकेट दागे गए थे। इसमें कई इमारतें ध्वस्त हो गई। इमारतों में फंसे लोगों के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक बेरुत के बस्ता इलाके में यह हमला किया गया। विस्फोट के बाद सुरक्षाबलों स्थानीय लोगों की मदद से इलाकें में मदद की व्यवस्था की। लेबनान की मीडिया के मुताबिक इस हमले में कम से कम चार इमारतें नष्ट हो गई हैं, जबकि इसके आसपास की भी कई इमारतें बुरी तरफ क्षतिग्रस्त हो गई। पिछले एक सप्ताह में इजरायल द्वारा बेरूत पर किया गया यह चौथा हमला है। पिछले हफ्ते में हिजबुल्लाह के एक प्रवक्ता की मौत हो गई थी।

इजरायल का लेबनान पर हमला पिछले कई महीनों से जारी है। यह पूरी लड़ाई 7 अक्टूबर 2023 से शुरू हुई थी, जब हमास के आतंकियों ने इजरायल की सीमा के अंदर घुसकर आम नागरिकों की हत्या की और कई नागरिकों को बंधी बनाकर अपने साथ ले गए। इस हमले के बदले में इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमला बोल दिया। गाजा के समर्थन में उतरे लेबनान में इजरायल पर हवाई हमले करना जारी रखा। शुरुआती समय में इजरायल ने चेतावनी देते हुए लेबनान से कहा कि वह हमला करेगा तो उसे इसका परिणाम भुगतना होगा। इसके बावजूद भी हिजबुल्लाह नहीं रुका। बदले की कार्रवाई करते हुए इजरायल ने गाजा में हमास की कमर तोड़ने के बाद लेबनान का रुख किया। संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण के बाद इजरायली राष्ट्रपति ने कहकर हिजबुल्लाह चीफ को हवाई हमले में मार गिराया। लेबनान में सैन्य कार्रवाई करते हुए इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह को नेस्तानाबूद करने की कसम खाई। वर्तमान में इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के लड़ाकों के बीच में लेबनान की दक्षिणी सीमा पर लड़ाई जारी है। दूसरी तरफ इजरायल अपने हवाई हमलों के जरिए हिजबुल्लाह की कमर तोड़ने में लगा हुआ है। इजरायली सेना की मानें तो वह लेबनान में उन सभी जगहों, इमारतों को निशाना बना रहा है, जो हिजबुल्लाह के कंट्रोल में हैं। दूसरी तरफ हिजबुल्लाह भी पीछे ना हटते हुए लगातार इजरायली जमीन पर रॉकेट और मिसाइलों से हमला कर रहा है।

नेतन्याहू के अरेस्ट वॉरेंट पर अमेरिका हुआ नाराज, इसे जल्दबाजी बताया : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के फैसले को खारिज कर दिया, जिन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराधों का आरोप है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने एक प्रेस वार्ता में फैसले पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से खारिज करते हैं। उन्होंने वारंट मांगने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की और परेशान करने वाली प्रक्रिया की त्रुटियों की ओर इशारा किया जिसके कारण यह नतीजा निकला।

जीन-पियरे ने यह भी कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस मामले पर आईसीसी के अधिकार क्षेत्र की कमी के बारे में स्पष्ट रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियोजक चाहे कुछ भी कहे, कोई सबूत नहीं है, इज़राइल और हमास के बीच कोई सबूत नहीं है। व्हाइट हाउस अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए इज़राइल सहित अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की, हम मौलिक रूप से इस बात को खारिज करते हैं कि स्थिति पर आईसीसी का अधिकार क्षेत्र है, और इसलिए यह कुछ ऐसा है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं और हम इसे जारी रखेंगे। यह बयान तब आया है जब अमेरिका अपने नेताओं के खिलाफ आईसीसी के आरोपों के बीच इजरायल के प्रति समर्थन दिखाना जारी रखता है। हेग में आईसीसी ने नेतन्याहू और गैलेंट के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया और उन पर मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया। आरोपों में गाजा में नागरिकों को निशाना बनाने और भुखमरी की नीतियां लागू करने के आरोप शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने की पाकिस्तान में हुए हमले की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए घातक हमले की कड़ी निंदा की है. आतंकियों ने गुरुवार को तीन यात्री वाहनों को निशाना बनाकर हमले किए जिसमें कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य घायल हो गए. महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने शुक्रवार को दैनिक ब्रीफिंग में देकर कहा कि नागरिकों के खिलाफ हमले अस्वीकार्य हैं. गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों और पाकिस्तान सरकार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की. उन्होंने पाकिस्तानी सरकार से जांच कराने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए. पाराचिनार में शिया और सुन्नी के बीच पहले भी खूनी टकराव हुए हैं. किसी भी आतंकवादी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, जबकि सुरक्षा बलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. पाकिस्तान के संघीय मंत्री मोहसिन नकवी ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि संघीय सरकार केपी प्रांतीय सरकार के साथ लगातार संपर्क में है. पिछला सप्ताह कठिन और परेशान करने वाला रहा है. उन्होंने कहा, हम हर दिन एक नई घटना देखते हैं और अब केपी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं. पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने भी इस दुखद घटना की निंदा की और कहा कि निर्दोष यात्रियों पर हमला एक कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य है. शिया और सुन्नी मुसलमानों के बीच भूमि विवाद को लेकर पहले भी हिंसक और जानलेवा झड़पें हो चुकी हैं. पिछले कुछ सालों में इन दोनों के बीच आपसी संघर्ष की कई घटनाएं हुई. इस दौरान दोनों पक्षों के सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है. जनजातियों के बीच पिछले संघर्ष के बाद से स्थानीय लोगों को स्थानीय बुजुर्गों द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार केवल काफिले में यात्रा करने की अनुमति थी. कुर्रम जिले में गुरुवार का हमला शिया और सुन्नी के बीच लंबे समय से चल रहे सांप्रदायिक संघर्ष में सबसे घातक हमलों में से एक है. इस महीने की शुरुआत में हजारों निवासी पाराचिनार में एक शांति मार्च में भाग लेने के लिए एकत्र हुए थे।

मेरी चीन की यात्रा काफी सफल रहेगी: ओली

काठमांडू, एजेंसी। 'मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने शुक्रवार को कहा कि चीन की उनकी आगामी आधिकारिक यात्रा काफी सफल रहेगी। कार्यभार संभालने के बाद किसी पड़ोसी देश की यह उनकी पहली यात्रा होगी। ओली ने कहा, ''मैं दो दिसंबर को चीन की यात्रा पर जा रहा हूं और यह महज एक दौरा नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि वह यात्रा के दौरान लोगों और देश के हित को ध्यान में रखेंगे। ओली ने स्पष्ट किया कि वह यात्रा के दौरान चीन से ऋण मांगने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''उत्पादकता बढ़ाना मेरी प्राथमिकता होगी।' हालांकि, सरकार ने अभी तक आधिकारिक तौर पर ओली की यात्रा और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला का खुलासा: जहर देने की कोशिश, पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर लगाए आरोप

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने गुरुवार को खुलासा किया कि 2022 में पदभार ग्रहण करने से कुछ दिन पहले उन्हें और उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन को जहर देने की कथित कोशिश की गई थी. गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, लूला ने कहा, जैसा कि सीएनएन ने उद्धृत किया कि मुझे अब बहुत आभारी होना चाहिए, और भी अधिक इसलिए क्योंकि मैं जीवित हूं. मुझे और (उपराष्ट्रपति) अल्कमिन को जहर देने की कोशिश सफल नहीं हुई, अब हम यहां हैं. सीएनएन ब्राजील के अनुसार, यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और 36 अन्य पर 2022 के चुनावों के बाद तख्तापलट की साजिश की जांच में अभियोग लगाया गया है. जांच में आरोप लगाया गया है कि बोल्सोनारो को लूला को उनकी चुनावी जीत के बाद पदभार ग्रहण करने से रोकने की योजनाओं की पूरी जानकारी थी. ब्राजील की संघीय पुलिस ने निष्कर्षों को रेखांकित करते हुए सुप्रीम कोर्ट को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी. सैकड़ों पन्नों की इस रिपोर्ट में उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस की हत्या की योजना का विवरण दिया गया है. सीएनएन ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में जहर और विस्फोटक शामिल थे. मंगलवार को, कथित साजिश के सिलसिले में बोल्सोनारो के पूर्व सलाहकार और सेवानिवृत्त जनरल मारियो फर्नांडीस सहित पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया. संदिग्धों ने कथित तौर पर सरकार का नियंत्रण जब्त करने के लिए एक संस्थागत संकट प्रबंधन कार्यालय बनाने की मांग की. अभियोग के जवाब में, बोल्सोनारो ने कहा कि उन्होंने अभी तक आरोपों की समीक्षा नहीं की है. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि संघीय पुलिस की ओर से इस अभियोग में क्या है. मैं वकील का इंतजार करूंगा. जाहिर है, यह अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में जाएगा. यह पीजीआर में है कि लड़ाई शुरू होती है. मैं उस टीम से कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकता जो मेरी निंदा करने के लिए रचनात्मकता का उपयोग करती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने जस्टिस मोरेस की भी आलोचना की. आरोपित लोगों में बोल्सोनारो के पूर्व रक्षा मंत्री वाल्टर ब्रागा नेट्टो, पूर्व सुरक्षा प्रमुख ऑगस्टो हेलेनो और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी की हत्या के बारे में सोचना भले ही कितना भी घिनौना क्यों न हो, यह कोई अपराध नहीं है. जांच 8 जनवरी के दंगों के बाद चल रहे तनाव को बढ़ाती है, जिसके दौरान बोल्सोनारो समर्थकों ने लूला की जीत के विरोध में सरकारी इमारतों पर धावा बोला था।

डोनाल्ड ट्रंप ने खारिज की एलन मस्क की सिफारिश, अपने ही करीबी को बड़ा जिम्मा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रेजरी सचिव यानी कैबिनेट में वित्त मंत्री के पद के लिए एलन मस्क की पसंद को खारिज कर दिया है। इसके बजाय उन्होंने अपने करीबी स्कॉट बेसेंट को ट्रेजरी सचिव नियुक्त किया है। ट्रंप के इस कदम के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। हेज फंड के दिग्गज स्कॉट बेसेंट ट्रम्प के आर्थिक विचारों का समर्थन करते हैं। वहीं मस्क ने परिवर्तनकारी दृष्टिकोण वाले हॉवर्ड लुटनिक के नाम का समर्थन किया था। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पहले ही इस मामले पर अपने विचार रखते हुए अपना पक्ष रखा था। मस्क ने सार्वजनिक रूप से हॉवर्ड लुटनिक को समर्थन देते हुए कहा था कि वह जरूरी परिवर्तन ला सकते हैं। हालांकि ट्रंप स्क्वायर ग्रुप के संस्थापक बेसेंट ट्रम्प की आर्थिक नीतियों, खास कर उनके टैरिफ समर्थक रुख के बड़े समर्थक रहे हैं।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के साथ बैठक के बाद 62 वर्षीय बेसेंट की नियुक्ति की गई है। ट्रंप ने शनिवार को एक बयान में कहा, स्कॉट मेरे साथ मिलकर अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए काम करेंगे। स्कॉट और उनके परिवार को बधाई। इससे पहले एलन मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्रंप के कैबिनेट मंत्री चुनने के फैसले पर चर्चा करते हुए लिखा था, इस पर और लोगों की राय सुनना दिलचस्प होगा ताकि डोनाल्ड ट्रंप फीडबैक पर विचार कर सके। उन्होंने आगे लिखा, मेरा विचार यह है कि स्कॉट बेसेंट एक विकल्प हो सकते हैं। हालांकि हॉवर्ड लुटनिक सच में बदलाव ला सकते हैं। आम फैसले लेने की वजह से अमेरिका दिवालिया हो सकता है इसलिए हमें किसी न किसी तरह से बदलाव की जरूरत है।

कौन हैं स्कॉट बेसेन्ट : स्कॉट बेसेन्ट ने राष्ट्रपति चुनावी अभियान के दौरान ट्रंप को आर्थिक नीति पर सलाह दी थी। वह की स्क्वायर कैपिटल मैनेजमेंट की स्थापना कर चुके हैं। स्कॉट ब्रिटिश पाउंड और जापानी येन के खिलाफ अपने सफल दांव के लिए जाने जाते हैं। सोरोस फंड मैनेजमेंट में हेज फंड एकजीक्यूटिव और पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका के लिए पहचान बनाने वाले स्कॉट बेसेन्ट ट्रंप की ट्रेजरी सचिव के लिए पहली पसंद थे। ट्रंप का चयन वित्तीय जगत में बेसेन्ट की सफलता और जॉर्ज सोरोस के साथ एमएजीए एजेंडे के लिए उनके समर्थन से भी प्रभावित है।

पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल ने कहा-ट्रंप की वापसी से बहुत दुख हुआ, वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती

लंदन, एजेंसी। पूर्व जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल का कहना है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में लौटने पर उन्हें बहुत 'दुख हुआ क्योंकि वो दुनिया के लिए बड़ी चुनौती हैं। मर्केल ने कहा कि और उन्हें याद है कि उनके साथ हर भेंट ''एक प्रतियोगिता होती थी: आप या मैं। जर्मन साप्ताहिक 'डेर स्पीगेल में शुक्रवार को प्रकाशित एक साक्षात्कार में मर्केल ने कहा कि ट्रंप दुनिया खासकर बहुपक्षवाद के लिए एक चुनौती हैं। उन्होंने कहा, ''अब जो हमारे लिए इंतजार कर रहा है, वह वास्तव में आसान नहीं है क्योंकि दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था इस राष्ट्रपति के पीछे खड़ी है एवं डॉलर प्रमुख मुद्रा है।

मर्केल ने जर्मन चांसलर रहते हुए चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ काम किया। वह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान सत्ता में थीं - यह उनके 16 साल के कार्यकाल में जर्मन-अमेरिका संबंधों के लिए सबसे तनावपूर्ण अवधि थी, जो 2021 के अंत में समाप्त हुई। उन्होंने 'ओवल ऑफिस (अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यालय) में एक चर्चित अजीबोगरीब पल को एक खास दृश्य के रूप में याद किया, जब वह पहली बार मार्च 2017 में व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिलने गई थीं। फोटोग्राफर ने आवाज लगायी हाथ मिलाइए। और मर्केल ने धीरे से ट्रंप से पूछा: क्या आप हाथ मिलाना चाहते हैं? ट्रंप की ओर से कोई जवाब नहीं आया, जो अपने हाथ जोड़कर सामने देखते रहे। मर्केल ने कहा, मैंने फोटोग्राफर के वास्ते हाथ मिलाने के लिए उन्हें मनाने की कोशिश की क्योंकि मैंने अपने रचनात्मक तरीके से सोचा कि शायद उन्होंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि वे ऐसी तस्वीर चाहते हैं। लेकिन निश्चित रूप से उन्होंने सोच-समझकर यह इनकार किया था। इस यात्रा के दौरान अन्य मौकों पर भी दोनों ने एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। मर्केल ने कहा,''कमरे में जितने अधिक लोग थे, विजेता बनने की उनकी इच्छा उतनी ही अधिक थी। उन्होंने कहा,''आप उनसे बात नहीं कर सकते। हर भेंट एक प्रतियोगिता है: आप या मैं। मर्केल ने कहा कि उन्हें पांच नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस के खिलाफ ट्रंप की जीत पर 'दुख महसूस हुआ।

अपने पार्टनर को धोखा देना अपराध नहीं, अमेरिकी कोर्ट ने बदल दिया 100 साल पुराना कानून

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक कोर्ट ने शुक्रवार को सौ साल से भी ज्यादा पुराने कानून को निरस्त कर दिया है। इसके बाद अब यहां अपने जीवनसाथी को धोखा देना अपराध के तहत नहीं आएगा। गवर्नर कैथी होचुल ने 1907 में बने इस कानून को निरस्त करने वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए। एडल्ट्री यानी अपने साथी के अलावा किसी और से संबंध रखने को लेकर पिछले कई सालों से यह बहस जारी है कि इसे अपराध की श्रेणी में रखा जाए या नहीं। अमेरिका की कई राज्यों में एडल्ट्री पर प्रतिबंध को लेकर सख्त कानून है। इसे उस वक्त बनाया गया था जब पति या पत्नी के धोखा देने को साबित करना ही कानूनी तलाक पाने का एकमात्र तरीका था। कानून का मकसद देश में तलाकों की संख्या को कम करना था। कुछ राज्यों ने बीते कुछ सालों में ऐसे कानूनों को खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं। विधेयक को मंजूरी देते हुए गवर्नर ने कहा, मैं अपने पति के साथ 40 साल तक एक अच्छा विवाहित जीवन जीने के लिए भाग्यशाली रही हूं। इसीलिए मेरे लिए एडल्ट्री को अपराध मुक्त करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर करना थोड़ा विडंबनापूर्ण है। मैं जानती हूं कि लोगों के बीच अक्सर जटिल रिश्ते होते हैं। उन्होंने कहा, इन मामलों को आपसी बातचीत से सुलझाने चाहिए न कि हमारी न्याय प्रणाली द्वारा। आइए इस बेतुके, पुराने कानून को हमेशा के लिए खत्म किया जाए। न्यूयॉर्क में एडल्ट्री की परिभाषा के मुताबिक जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ उस समय यौन संबंध बनाता है जब उसका कोई जीवित जीवनसाथी होता है, या दूसरे व्यक्ति का कोई जीवनसाथी होता है तो उसे धोखा माना जाता है । न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख के अनुसार इस कानून का कई बार इस्तेमाल किया जा चुका है जिसमें तीन साल तक जेल की सजा दी जाती थी। बिल लाने वाले विधानसभा सांसद चार्ल्स लैविन ने कहा कि 1970 के दशक से इस कानून के तहत लगभग एक दर्जन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं और उनमें से केवल पांच मामलों में दोष साबित हुआ है। उन्होंने कहा, कानून हमारी रक्षा करने और असामाजिक व्यवहार को रोकने के लिए होते हैं। यह कानून किसी भी उद्देश्य को पूरा नहीं करता है। इसका आखिरी बार 2010 में इस्तेमाल किया गया था।

रूस-यूक्रेन जंग को रुकवाने के लिए ग्रेनेल को विशेष दूत चुन सकते ट्रंप, समर्थक नाराज : वाशिंगटन, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप, जो अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बनने जा रहे हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक विशेष दूत नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस पद के लिए उनके पूर्व खुफिया प्रमुख रिचर्ड ग्रेनेल को चुना जा सकता है। रिचर्ड ग्रेनेल 2017-2021 के दौरान ट्रंप प्रशासन में अमेरिका के जर्मनी में राजदूत और खुफिया विभाग के कार्यवाहक निदेशक रह चुके हैं। ट्रंप के चुनाव अभियान में उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी और वे अमेरिका के विदेश मंत्री बनने के प्रबल दावेदार भी थे। यदि उन्हें यह पद मिलता है, तो वह रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के ट्रंप के प्रयासों में अहम भूमिका निभाएंगे। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि ट्रंप यह पद बनाएंगे या किसी और को इसके लिए चुनेंगे।

नशा तस्करों का पुलिस पर जानलेवा हमला : गाड़ी चढ़ाने का किया प्रयास... 2 आरोपी काबू

फतेहाबाद। टोहाना के गांव अकांवाली में नशा तस्करों को पकड़ने गई पुलिस टीम को नशा तस्करों ने जान से मारने का प्रयास किया। आरोपियों ने पुलिस टीम पर गाड़ी से टक्कर मारते हुए ऊपर चढ़ाने का प्रयास किया। घटना में दो पुलिस कर्मचारी घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए टोहाना के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने नशा तस्करों की गाड़ी से लाखों की हेरोइन बरामद की। इस मामले में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी। सीआईए टोहाना पुलिस की टीम एएसआई सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब गांव अकांवाली बस अड्डे के पास पहुंची तो वहां शराब ठेके के सामने सड़क किनारे एक गाड़ी खड़ी थी। गाड़ी से एक युवक उतरकर पीछे जा रहा था। इसी दौरान पुलिस कर्मचारियों ने शक के आधार पर युवक को पकड़ने की कोशिश की तो युवक ने शोर मचा दिया। इसके बाद गाड़ी चालक ने एकदम गाड़ी को बैक करते हुए पीछे खड़े कर्मचारियों को जान से मारने की नीयत से सीधी टक्कर मारी और उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। हादसे में एसआई सुमेर चंद व एसपीओ रोहताश कुमार घायल हो गए। वहीं, आरोपियों की गाड़ी पेड़ से टकराकर बंद हो गई। पुलिस कर्मचारियों ने गाड़ी चालक को काबू किया, जिसकी पहचान मंगल सिंह निवासी पीरांवाली ढाणी जिला हिसार व दूसरे युवक की पहचान गुरदास सिंह निवासी नूरपुर ढाणी गांव दीवाना जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। घायल पुलिस कर्मचारियों सुमेर चंद व रोहताश कुमार को उपचार के लिए टोहाना के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया। बाद में पुलिस ने डीएसपी जगदीश काजला की मौजूदगी में कार की तलाशी ली तो गाड़ी से 272 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस पर पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। बरामद की गई हेरोइन की कीमत लाखों में बताई जा रही है।

दर्दनाक हादसा : ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जीजा-साला सहित 3 की मौत, घर में पसरा मातम

गोहाना। गोहाना के पानीपत से रोहतक नेशनल हाइवे के बाईपास पर देर रात को बड़ा सड़क हादसा देखने को मिला। यहां बाइक पर सवार होकर जा रहे तीन लोगों को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल गोहाना में भेज दिया। जहां पर आज तीनों शवों का पोस्टम करवाया जाएगा। मृतकों की पहचान रविंद्र निवासी गढ़ी सराय गोहाना, मोहित निवासी गन्नौर और एक प्रवासी मजदूर सन्नी निवासी बिहार के रूप में पहचान हुई है। मोहित ओर रविंद्र रिश्ते में सगे जीजा और साला थे जबकि सन्नी मजदूरी करने गोहाना आया हुआ जो हाल में गढ़ी सराय में रह रहा था। रविन्द्र के छोटे भाई की आज शादी थी रात को अपने जीजा मोहित के साथ खाना खाने जा रहे थे तो बाईपास पर मोड पर जैसे ही यह चढ़े तो एक तेज रफ्तार ट्रक ने इनको टक्कर मार दी।

हरियाणा में महसूस हो रही शिमला से भी ज्यादा ठंड, इन 10 जिलों में धुंध का अलर्ट

पहाड़ों में हो रही बर्फबारी और बरसात का असर हरियाणा जैसे मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है। आलम ये है कि हरियाणा की रातें शिमला से भी ज्यादा ठंडी हो रही हैं। बीते 24 घंटों के दौरान हिसार का न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं शिमला का तापमान 9.2 डिग्री दर्ज किया गया है। रोहतक का तापमान सामान्य के मुकाबले 3.7 डिग्री लुढ़ककर 23.3 डिग्री दर्ज किया गया।

आज इन जिलों में धुंध का अलर्ट जारी

मौसम विभाग द्वारा जारी अलर्ट के अनुसार आजप्रदेश के ज्यादातर जिलों में धुंध छा सकती है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में दिन और रात के तापमान में और ज्यादा कमी देखने को मिलेगी। पहाड़ों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है, जिसका असर मैदानी इलाकों में ठण्ड के रूप में देखने को मिल रहा है। विभाग द्वारा आज अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल, सोनीपत और पानीपत में धुंध का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं फतेहाबाद, हिसार और जींद में गहरी धुंध का येलो अलर्ट जारी किया गया है। देश के 10 प्रदूषित शहरों में हरियाणा के 7 शहर शामिल हो चुके हैं।

सड़क सुरक्षा को लेकर विद्यालय तथा महाविद्यालय करवाई जाएगी प्रतियोगिता

चंडीगढ़। बच्चो में सड़क सुरक्षा की संस्कृति पैदा करने के उद्देश्य से राज्य भर के सभी स्कूलों और कॉलेजों में अखिल हरियाणा सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता -2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 44 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने रिकॉर्ड भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सड़क सुरक्षा का संदेश दिया। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने बताया कि सड़क सुरक्षा तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने में विद्यार्थी सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्कूलों व कॉलेजों के विद्यार्थी श्रेष्ठ शिक्षक होते हैं। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थी न केवल स्वयं सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक होंगे बल्कि अपने अभिभावकों से भी यातायात के नियमों की पालन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी सांझा करेंगे।

हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने गठित की 13 कमेटियां, मंत्री नहीं बनने वाले विधायक बने चेयरमैन

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा स्पीकर हरविंदर कल्याण ने विधानसभा की 13 अलग-अलग समितियों का गठन कर दिया है। विधानसभा के मुद्दों की जांच करने के लिए इन समितियों का गठन किया जाता है। समितियों में पक्ष और विपक्ष दोनों तरह के विधायकों का पूरा प्रतिनिधित्व किया गया है। स्पीकर हरविंद्र कल्याण द्वारा तैयार कमेटियों में कांग्रेस विधायकों को भी कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। हर कमेटी में चेयरमैन के अलावा आठ से नौ विधायकों को शामिल किया गया है।

किन विधायकों को बनाया गया चेयरमैन?

नूंह से कांग्रेस विधायक चौधरी आफताब अहमद को लोक लेखा समिति का चेयरमैन बनाया गया है। मंत्री बनने से चूके बल्लभगढ़ के विधायक मूलचंद शर्मा को प्रिविलेज कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रोटोकॉल का पालन करने और उनके साथ होने वाले दुर्व्यवहार की जांच करने की कमेटी की जिम्मेदारी भाजपा विधायक विनोद भयाना को दी गई है। रोहतक से कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा को बीबी बत्रा सरकारी आश्वासनों संबंधी समिति की जिम्मेदारी दी गई है। पब्लिक अंडरटेकिंग कमेटी का चेयरमैन पद पर सफीदों के भाजपा विधायक रामकुमार गौतम को नियुक्त किया गया है।

विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष होंगे पूर्व परिवहन मंत्री

पूर्व परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा विशेषाधिकार समिति के अध्यक्ष होंगे। अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण कमेटी का चेयरमैन नीलोखेड़ी से भाजपा विधायक भगवान दास कबीरपंथी को बनाया गया है। विधानसभा की रूल्स कमेटी की जिम्मेदारी अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण को सौंपी गई है। शहरी निकाय एवं पंचायती राज संस्थाओं की कमेटी का चेयरमैन भिवानी से भाजपा विधायक घनश्याम सर्राफ को बनाया गया है। बता दें कि ये समितियां कानून की जांच करने, सरकारी कार्यों की देखरेख करने में अपनी अहम भूमिका निभाती है। विधानसभा में समितियों की बैठक हर मंगलवार को होती है।

रोहतक में सर छोटूराम की जयंती पर अरविंद शर्मा ने लगाई दौड़, ईवीएम पर बोले- कांग्रेस सारी उम्र करती रहेगी 'चू-चू'

रोहतक। दीनबंधु चौधरी छोटू राम की जयंती के अवसर पर रोहतक के जाट कॉलेज से 5 और 21 किलोमीटर की मैराथन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के जेल एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इतना ही नहीं अरविंद शर्मा खुद भी मैराथन में शामिल हुए। अरविंद शर्मा भी धावकों के साथ दौड़े। कांग्रेस द्वारा ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप पर कहा कि कांग्रेस एक झूठ का पुलिंदा है।

इस दौरान डॉ. अरविंद शर्मा ने महाराष्ट्र चुनाव के परिणामों को प्रधानमंत्री मोदी के विश्वास की जीत बताया। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबके विकास की जीत हुई। शर्मा ने कहा कि लोगों ने पिछली सरकारों

के कामों को भूला दिया। उन्होंने मोदी पर भरोसा जताया। जिस तरह से लोगों ने मोदी की बात सुनी, उससे लोगों में भरोसा पैदा हुआ।

कांग्रेस झूठ का पुलिंदा

वहीं अरविंद शर्मा ने कांग्रेस द्वारा ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप पर कहा कि कांग्रेस एक झूठ का पुलिंदा है। उन्होंने कहा कि किस प्रकार से लोकसभा चुनाव में कैसे संविधान बदल देने का झूठ बोला। यह मोदी की सरकार है, बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के संविधान को कोई नहीं बदल सकता। जब लोकसभा में 5 सीट आई तो क्या गड़बड़ नहीं थी, जब तो कुछ नहीं बोले। ईवीएम में गड़बड़ी के सबूत के साथ प्रदेश अध्यक्ष उदय भान के हाई कोर्ट में अपील दायर करने को लेकर कहा कि जब हम 2019 में जीते तो इनकी पांच साल तक चूं-चूं चलती रही जब तक यह जीत नहीं गए। इन्हें लोगों ने जितवाना नहीं, ये सारी उम्र ऐसे ही चूं-चूं करते रहेंगे।

कांग्रेस नेता बीरेंद्र सिंह का दुष्यंत चौटाला पर बड़ा बयान, कहा- चौटाला परिवार को पूरे हरियाणा ने नकार दिया है

रोहतक। रविवार को जिले के गढ़ी सांपला गांव में आयोजित चौधरी छोटू राम जयंती समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह ने शिरकत की। इस दौरान चौधरी बीरेंद्र सिंह ने जेजेपी नेता और हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रोहतक औक उसक आसपास के जिलों ने चौटाला परिवार को तो पहले ही नकार दिया था और अब पूरे हरियाणा ने भी उनको नकार दिया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि दुष्यंत चौटाला को 10 विधायक भाजपा को उखाड़ फेंकने के दावों को लेकर मिले थे। अगर वह 10 विधायकों के साथ विपक्ष में संघर्ष करते तो दुष्यंत चौटाला हरियाणा प्रदेश के सबसे बड़े युवा नेताओं में उभर कर सामने आते। लेकिन या तो पैसा कमा ले या फिर नाम। साथ ही उन्होंने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस की बहुत सी सीटों पर हार की वजह जाट निर्दलीय प्रत्याशियों का खड़ा होना था, जिसकी वजह से वोट बंटे और यह भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति का हिस्सा था।

यह परिणाम अचंभित करने वाले हैं, मुकाबला बराबर का दिखाई दे रहा था..., महाराष्ट्र के नतीजे पर बोले दीपेंद्र सिंह हुड्डा

रोहतक। महाराष्ट्र चुनाव के नतीजे को लेकर रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम अचंभित करने वाले हैं। मुकाबला बराबर का दिखाई दे रहा था, लेकिन जिस तरह के परिणाम आए हैं उसे यह साफ है कि भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी साम-दाम-दंड भेद का प्रयोग किया है, धनबल और अन्य मशीनरी का प्रयोग इस चुनाव में हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करता है।

वहीं, कांग्रेस सांसद ने हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की ओर से कांग्रेस पर की जा रही टिप्पणियों को लेकर भी नाराजगी जताते हुए कहा कि जो मत प्रतिशत कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में मिला है वह जनता ने दिया है और इस तरह से टिप्पणियां करके विपक्षी दल जनता का अपमान कर रहे हैं। उन्हें जनादेश का सम्मान करना चाहिए। हम सबसे बड़ा विपक्ष हैं और जो जिम्मेदारी हमें दी गई है, उसे जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए प्रदेश की हर वर्ग की आवाज को उठाने का काम करेंगे।

जल्द ही केंद्रीय नेतृत्व प्रतिपक्ष नेता के बारे में लेगी फैसला: दीपेंद्र हुड्डा

प्रतिपक्ष के नेता के चुनाव को लेकर दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव की वजह से प्रतिपक्ष नेता का चुनाव रुका हुआ था और जल्द ही केंद्रीय नेतृत्व इस बारे में फैसला कर देगा। इसके लिए जो आब्जर्वर नियुक्त किए गए थे उनके सामने विधायकों ने अपनी राय रख दी है। जब उनसे भूपेंद्र सिंह हुड्डा के प्रतिपक्ष नेता बनाए जाने पर सवाल किया गया तो दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि यह फैसला केंद्रीय नेतृत्व को करना है। दीपेंद्र सिंह हुड्डा आज रोहतक जिले के गढ़ी सांपला गांव में आयोजित छोटू राम जयंती कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे।

अब उर्दू पढ़ेंगे हरियाणा के नव नियुक्त पटवारी, दी जाएगी विशेष ट्रेनिंग

चंडीगढ़। हरियाणा में भर्ती हुए पटवारियों को उर्दू, लैंड रिकार्ड मैन्युअल और अन्य महत्वपूर्ण विषयों की पढ़ाई के लिए अब विशेष ट्रेनिंग दी जाएगीं। यह कदम पटवारी की कार्यक्षमता और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। जानकारी के मुताबिक ,प्रदेश में चयनित पटवारियों को छह प्रमुख विषयों में शिक्षा दी जाएगी, जिनमें गणित, आधारभूत हिंदी, उर्दू, कंप्यूटर, लैंड रिकार्ड मैन्युअल, और भूमि से संबंधित विभिन्न कानूनी एक्ट्स शामिल हैं। इन विषयों का उद्देश्य पटवारियों को न केवल प्रशासनिक कार्यों में दक्ष बनाना है, बल्कि उन्हें क्षेत्रीय भाषाओं, कानूनों और तकनीकी प्रक्रियाओं से भी परिचित कराना है, ताकि वे अपनी भूमिका में पूरी तरह से सक्षम हों।

प्रशिक्षण के समापन पर पटवारियों की क्षमताओं का मूल्यांकन किया जाएगा। इसके लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें सफल होने पर ही पटवारियों को उनकी कार्यस्थल आवंटित किए जाएंगे। इन परीक्षाओं में प्राप्त अंकों के आधार पर ही पटवारियों के लिए पोस्टिंग और स्थान का निर्धारण किया जाएगा।

बता दें कि प्रदेश में फिलहाल दो विशेष ट्रेनिंग स्कूल स्थापित किए गए हैं, जहां इन 2713 चयनित पटवारियों को शिफ्ट बनाकर अलग-अलग प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह ट्रेनिंग पूरी तरह से व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों पहलुओं पर आधारित होगी, ताकि पटवारी अपनी जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा सकें।

रेवाड़ी की बेटी ने रचा इतिहास : बोकिया चैलेंजर सीरीज में हासिल किए 2 पदक, 90 प्रतिशत तक विकलांग

रेवाड़ी। रेवाड़ी की बेटी ने विश्व बोकिया चैलेंज सीरीज में 2 मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। पूजा गुप्ता ने बहरीन के मनामा में 14 से 21 नवंबर तक आयोजित विश्व बोकिया चैलेंजर सीरीज में हिस्सा लिया। बोकिया चैलेंजर सीरीज में पूजा गुप्ता ने बीसी-4 महिला व्यक्तिगत श्रेणी में कांस्य पद और जोड़ी वाली बीसी- 4 श्रेणी में सिल्वर पदक हासिल किया है। शारीरिक रूप से विकलांग होने के बावजूद भी पूजा ने कड़ी मेहनत और जज्बे से यह साबित कर दिया है कि अगर हौंसले बुलंद हो तो मुश्किल राह भी आसान लगती है।

पूजा गुप्ता रेवाड़ी की रहने वाली है। पूजा का जन्म 1990 में एक सामान्य परिवार में हुआ था। पूजा के पिता का नाम अजय गुप्ता और उनकी मां का नाम सुनीता गुप्ता है। साल 2014 से पूजा गुप्ता पंचकूला में पंजाब नेशनल बैंक में बतौर चीफ मैनेजर के पद पर काम करती हैं। 2020 में पूजा ने अपने खेल की शुरुआत की थी। पूजा गुप्ता ने बहरीन के अलावा ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 में एक स्वर्ण पदक और एक कांस्य पदक भी अपने नाम किया है। इससे पहले पंजाब में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2022 में 2 स्वर्ण पदक और आंध्र प्रदेश में आयोजित 2021 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक हासिल किया है।

बेटी की सफलता से दूसरे युवा भी होंगे प्रेरित

पूजा गुप्ता अपनी जीत का श्रेय अपने परिवार को दिया है। पूजा का कहना है कि उनके परिवार के सहयोग की वजह से आज उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। पूजा का कहना है कि उनके कोच जसप्रीत सिंह ने उनकी काफी मदद की है। माता-पिता का कहना है कि उन्हें अपनी बेटी पर गर्व है। उनकी बेटी की सफलता से दूसरे युवा भी प्रेरित होंगे।

विभागों के साथ-साथ अपने राजनीतिक कैरियर में ज ने कर डाला नया प्रयोग, लगातार जनहित के कार्य करने में जुटे विज

चंडीगढ़। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी नए आयाम स्थापित कर रही है। उनके नेतृत्व और दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए हरियाणा के राजनेताओं में दबंग छवि रखने वाले अनिल विज बिना किसी रुकावट और बेबाकी के साथ अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। इसके लिए अनिल विज समय-समय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन भी हासिल करते रहते हैं। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के विश्वस्त नेताओं में शामिल अनिल विज उन्हीं की तरह से फैसला ऑन द स्पॉट करने के आदि है। विधानसभा चुनाव या फिर उससे इतर जब भी मोदी और शाह हरियाणा में आए, अनिल विज के साथ उनकी मुलाकात एक अलग ही अंदाज में हुई। हरियाणा के गृह और स्वास्थ्य विभाग में कई प्रकार के परिवर्तन कर उन्हें आधुनिक बनाने के बाद अब अनिल विज को परिवहन, श्रम और बिजली विभाग मिले हैं। विभाग मिलने के तुरंत बाद से ही विज उनके सुधारीकरण में जुटे हुए हैं। विज का मानना है कि विभाग चाहे कोई भी हो, लेकिन वहां पर जनता को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

कभी अपने संबंधों का नहीं किया जिक्र

अनिल विज हरियाणा के उन राजनीतिक लोगों में से एक है, जो अपने संबंधों का ढींढोरा पिटने के आदि नहीं है। चार दशक से अधिक लंबी राजनीतिक पारी खेलने वाले अनिल विज भाजपा की हैट्रिक लगने के बाद सत्ता पक्ष में एक मात्र ऐसे विधायक और मंत्री है, जो हरियाणा के बहुत सारे लोग जब उनसे मिलने आते हैं तो उन्हें उनका नाम लेकर संबोधित करते हैं। आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और जनसंघ की पृष्ठभूमि से जुड़े अनिल विज ने भाजपा की राजनीति की बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे हैं। हरियाणा की विधानसभा में जब भाजपा के दो व चार विधायक हुआ करते थे, उस समय भी अनिल विज विधायक थे और विपक्ष के विधायक के रूप में सदन के भीतर इनकी आक्रामक भूमिका सबने देखी है।

विधानसभा चुनाव में किया था नया प्रयोग

खुद को मिलने वाले विभागों में नए-नए प्रयोग करने वाले अनिल विज ने इस बार अपने चुनाव में भी नया प्रयोग किया। खुद अनिल विज ने कहा कि ÷मैनें अम्बाला छावनी में कराए गए विकास के मुद्दे पर विधानसभा चुनाव लड़ा और चुनाव प्रचार के दौरान किसी सभा, मीटिंग व भाषण में मैनें कोई राष्ट्रीय या प्रदेशस्तरीय मुद्दा नहीं उठाया और मैंने चुनाव प्रचार में हर जगह विकास की बात कही÷। विज ने कहा कि मैं देखना चाहता था कि मेरी विधानसभा में काम करने की कितनी कद्र है। मैनें चुनाव में कोई राष्ट्रीय नेता नहीं बुलाया जबकि कई स्थानों पर राष्ट्रीय नेता चुनाव प्रचार के लिए तीन-तीन बार आए। इस बार नीतिगत तरीके से मैनें चुनाव लड़ा व चुनाव में स्थानीय मुद्दों को ही घोषणापत्र में उठाया। मुझे अम्बाला छावनी में करवाए गए विकास कार्यों पर पूरा भरोसा था और मैंने कभी भी जाति-पाति की राजनीति नहीं की जबकि उनके विरोधी यह कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ÷मैनें पहले सोच लिया था कि मैं जो दिन-रात काम करने के लिए मर रहा हूं मैं देखूं कि मेरे मरने की यह शहर कीमत पाता है या नहीं। हो सकता है कि इस चुनाव में इस वजह से मैं हार भी जाता, लेकिन यह जानना बहुत जरूरी था। मैनें कोरे काम के सिर पर चुनाव लड़ा, एक पेड वर्कर तक मेरे पास नहीं था। सारे हिंदुस्तान में मैं चैलेंज करके कह सकता हूं कि ऐसा चुनाव कहीं नहीं लड़ा गया होगा और मैनें बहुत आराम से योजनाबद्ध तरीके से चुनाव लड़ा।

छात्र राजनीति से की शुरूआत

15 मार्च 1953 को जन्मे अनिल विज राजनीति में आने से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छात्र शाखा में थे। अनिल विज ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जरिए छात्र राजनीति में कदम रखा। वह एसडी कॉलेज, अंबाला कैंट में पढ़ते हुए राजनीति में एक्टिव रहे। 1970 में एबीवीपी ने अनिल विज को महासचिव बनाया। अनिल विज ने विश्व हिंदू परिषद, भारत विकास परिषद बीएमएस और ऐसे अन्य संगठनों के साथ सक्रिय रूप से काम किया। अनिल विज 1974 में भारतीय स्टेट बैंक में नौकरी करने लगे लेकिन बीजेपी से जुड़े रहे।

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी नए आयाम स्थापित कर रही है। उनके नेतृत्व और दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए हरियाणा के राजनेताओं में दबंग छवि रखने वाले अनिल विज 1990 में जब सुषमा स्वराज राज्यसभा के लिए चुनी गईं तो अंबाला छावनी की सीट खाली हो गई। अनिल विज ने बैंक की नौकरी से इस्तीफा दे दिया और सुषमा स्वराज की सीट से उपचुनाव लड़े। अनिल विज यह उपचुनाव जीत गए। करीब 34 साल पहले 27 मई 1990 को तत्कालीन सातवीं हरियाणा विधानसभा में दो रिक्त हुई सीटों पर उपचुनाव हुए थे। उस समय ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री हुआ करते थे। तब दडवा कला हलके से जनता दल की टिकट पर पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और अंबाला कैंट से अनिल कुमार विज विधायक निर्वाचित हुए थे। तब अनिल विज की आयु 37 वर्ष की थी। बैंक की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए अनिल विज 2019 में हुए 14वीं विधानसभा के चुनाव में लगातार तीसरी बार और कुल छठी बार अंबाला छावनी से चुनाव जीते थे।

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी नए आयाम स्थापित कर रही है। उनके नेतृत्व और दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए हरियाणा के राजनेताओं में दबंग छवि रखने वाले अनिल विज अनिल विज एक अप्रैल 1996 तथा फरवरी 2000 में हुए दो विधानसभा चुनावों में निर्दलीय के रूप में अंबाला कैंट से विधायक बने। 2005 में विधानसभा के आम चुनाव में अनिल विज 615 वोट से अपनी हैट्रिक बनाने से चूक गए। 2007 में उन्होंने विकास परिषद के नाम से अपनी एक अलग राजनीतिक पार्टी भारतीय चुनाव आयोग से पंजीकृत करवाई। 2009 में हरियाणा विधानसभा के आम चुनाव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा उन पर फिर से भरोसा जताया गया और उन्हें भाजपा की टिकट दी गई। विज 2009, 2014, 2019 में लगातार तीन बार विधायक बने और अपनी हैट्रिक लगाई। अब 2024 में विज ने अंबाला कैंट से लगातार चौथी बार और कुल सातवीं बार जीत दर्ज की है।

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी नए आयाम स्थापित कर रही है। उनके नेतृत्व और दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए हरियाणा के राजनेताओं में दबंग छवि रखने वाले अनिल विज अनिल विज अंबाला कैंट विधानसभा से सातवीं बार विधायक चुने गए हैं। वह पिछले 11 साल से हरियाणा की बीजेपी सरकार में कैबिनेट मंत्री है। अनिल विज अपने सक्रिय राजनीतिक जीवन में भाजपा के अलावा कभी किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल नहीं हुए। 1996 में बंसीलाल जब हरियाणा के मुख्यमंत्री थे, उनके द्वारा मंत्री बनाए जाने के ऑफर को भी विज ने ठुकरा दिया था और सन 2000 में ओमप्रकाश चौटाला के नेतृत्व में प्रदेश में इनेलो की सरकार थी, चौटाला ने पार्टी के दो दिग्गज पंजाबी नेताओं अशोक अरोड़ा और ओमप्रकाश महाजन की जिम्मेदारी अनिल विज को पार्टी ज्वाइन करने के लिए मनाने को दी थी। मनाए जाने पर इनाम के रूप में ना केवल अनिल विज को बल्कि ओपी महाजन को भी मंत्री बनाया जाना था। इस कोशिश में महाजन 2 दिन तक विज के निवास पर डटे रहे, लेकिन उस समय भी उनके पथ- सोच और विचारधारा से अलग नहीं कर पाए।

सबने देखा था मोदी और विज का लगाव

अनिल विज भाजपा सरकार में 2014 में, 2019 में व अब 2024 में कैबिनेट मंत्री के पद पर हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनिल विज का सामन्जसय कोई नया नहीं है। लाल चौक कश्मीर में जब भाजपा के तत्कालीन नेता तिरंगा झंडा लहराने के लिए जा रहे थे, उस यात्रा में नरेंद्र मोदी के साथ अनिल विज का लगाव सबने देखा था। इसी प्रकार से हरियाणा की 15वीं विधानसभा के गठन से पूर्व मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में भी अनिल विज किस गर्मजोशी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले थे, उसे भी सबने देखा था। शपथ ग्रहण के बाद वासपी में मंच पर मौजूद नेताओं के अभिवादन करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास पहुंचते ही विज ने उनसे हाथ मिलाया। इस दौरान दोनों नेताओं में थोड़ी सी बात भी हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी भी मुस्कुराते हुए नजर आए थे।

हर वर्ग के मतदाताओं ने किया भाजपा पर भरोसा

गाजियाबाद। उपचुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत की वजह कार्यकताओं का सक्रिय रहना और पार्टी के समर्थित लोगों से मतदान कराना रहा। सभी वर्ग के मतदाताओं का साथ भाजपा को मिला है। यही वजह रही कि अधिकतर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में बहुत कम वोट मिलने के बावजूद भाजपा प्रत्याशी ने 69 हजार से अधिक मतों से जीत हासिल की है। उपचुनाव में सबसे अधिक मतदान विजयनगर ए-ब्लॉक स्थित चिल्ड्रेंस एकेडमी स्कूल में हुआ था। इस बूथ पर भाजपा प्रत्याशी को सर्वाधिक वोट भी मिले हैं। उन्होंने यहां पर तिहरा शतक लगाया है। विजयनगर में ही योगी आदित्यनाथ ने रोड शो किया था, जिसके बाद भाजपा खुद को चुनाव में और मजबूत मानकर चल रही थी। विजयनगर के अधिकतर बूथों पर भाजपा ने भारी अंतर से जीत हासिल की है।एसएसके पब्लिक स्कूल में बने बूथ संख्या 174 पर भी भाजपा को 304 वोट मिले हैं, यहां पर दूसरे नंबर पर हिंदुस्थान निर्माण दल की पूनम को 63 वोट मिले, वह दूसरे नंबर पर रहीं। सपा प्रत्याशी को यहां पर 53 और बसपा प्रत्याशी को 13 वोट मिले।अनुसूचित वर्ग के मतदाताओं ने भाजपा पर भरोसा जताया है। यहां पर शिब्बनपुरा में मंत्री असीम अरुण गए थे। शिब्बनुपरा में बूथ संख्या 321 पर बसपा को 39, भाजपा को 42, सपा को आठ, आजाद समाज पार्टी को 24 वोट मिले। इनके अलावा अन्य प्रत्याशियों को इस बूथ पर एक भी वोट नहीं मिला है।गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा ने कम मतदान होने के बावजूद 69,304 वोटों से रिकॉर्ड जीत हासिल कर भाजपा को इस सीट पर जीत की हैट्रिक दिलाई है। संजीव शर्मा को कुल 96,878 वोट मिले हैं। दूसरे नंबर पर रहे सपा प्रत्याशी सिंह राज जाटव को 27,574 वोट मिले हैं। तीसरे नंबर पर रहे बसपा प्रत्याशी पीएन गर्ग की जमानत जब्त हो गई है, उनको कुल 10,729 वोट मिले हैं। चुनाव के मैदान में 14 प्रत्याशी उतरे थे। इनमें से 12 की जमानत जब्त हो गई है।भाजपा ने 17 साल बाद इस सीट पर ब्राह्मण वर्ग से आने वाले संजीव शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले आखिरी बार वर्ष 2007 में इस सीट से सुनील शर्मा को प्रत्याशी बनाया गया था, उन्होंने इस सीट पर भाजपा को जीत दिलाई थी। इसके बाद 2012 में सुनील शर्मा को साहिबाबाद से प्रत्याशी बनाया गया। इस सीट पर वैश्य वर्ग के अतुल गर्ग को चुनाव लड़ाया गया, वह बसपा के सुरेश बंसल से हारे। 2017, 2022 के उपचुनाव में उनको दोबारा मौका मिला तो उन्होंने लगातार दो बार जीत हासिल की। संजीव शर्मा का प्रोफाइल 2007 में भाजपा में शामिल हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष बने 2013 में उनको भाजपा ने महानगर महामंत्री बनाया। 2019 में वह भाजपा के महानगर अध्यक्ष बने तीन साल का कार्यकाल खत्म होने पर दोबारा महानगर अध्यक्ष बने।

23 नवंबर को घोषित किया जाए राष्ट्रीय आरडब्लूए दिवस

संस्कार उजाला
गाज़ियाबाद (आशा चौधरी)

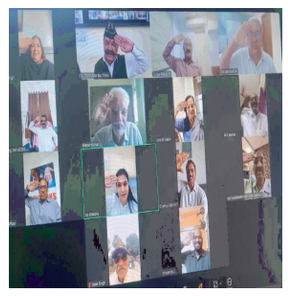

शनिवार को कोरवा की राष्ट्रीय प्रशासनिक समिति की एक ऑनलाइन जूम बैठक आयोजित की गई। जिसमें कोरवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने कहा कि 23 नवंबर को बंगाली लेखक नीरज चौधरी या पंजाबी शायर पदम भूषण कृष्णा चंद्रा या फरीदपुर की फिल्म अभिनेत्री गीता दत्त की जन्म वर्ष गांठ दिवस मनाया जाता है या एसप्रेसों कॉफी दिवस मनाया जाता है परंतु ये वो दिन भी है जब 2012 मे हैदराबाद में आरडब्लूए की पहली राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा कि यह दिन कोरवा के संस्थापक डॉ राव वी बी जे चेलिकनी का जन्म दिवस भी है। इसलिए हम मांग करते है की 23 नवंबर को राष्ट्रीय आर डब्लू ए दिवस घोषित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रशासनिक समिति के सदस्य तेलंगाना से वी वी राव, डॉ टी वी आर चंद्रा, आर एस वी बद्रीनाथ, के एस आर मूर्ति, एम दुर्गा प्रसाद, नारा जोशी, जे एम एस नागार्जुन, डी नीला कनन, विनाएगा मूर्ति, प्रसन्ना कुमार, एम के बीरन, उर्वशी वालिया, ज्ञान सिंह, डॉ मधु सिंह ने भाग लिया।

सरस्वती कॉलेज में रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट एवं एसोमैक मशीन लिमिटेड द्वारा फ्लैग ऑफ सेरेमनी का आयोजन

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)

सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज गाजियाबाद में रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट एवं ऐसोमैक मशीन लिमिटेड के सहयोग द्वारा फ्लैग ऑफ सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद आरटीएन डॉ प्रशांत राज शर्मा रहे। रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद के अन्य गणमान्य सदस्य प्रेसिडेंट आरटीएन वीरेंद्र सिंह सेक्रेटरी आरटीएन विपिन गर्ग, कोषाध्यक्ष आरटीएन तारु अग्रवाल, आशीष त्यागी एम.डी. ऐसोमैक मशीन प्राइवेट लिमिटेड, रोटेरियन अरुण अग्रवाल, रोटेरियन आशीष राय, रोटेरियन निर्मल सिंह, प्राचार्य डॉ संजय कुमार, डॉ अनीता सिंह, डॉ अलका कटारिया, डॉ कामना चतुर्वेदी समस्त प्रवक्तागण एवं रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन श्री शलभ अग्रवाल ने किया। रोटेरियन श्री निर्मल सिंह ने इस प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट एवं ऐसोमैक मशीन लिमिटेड द्वारा वर विक्टिम एवं दिव्यांग सैनिकों के लिए इंडियन आर्मी वेटरन सहायता केंद्र पटियाला मिलिट्री स्टेशन को एक इलेक्ट्रिक बस तथा दो मोटराइज्ड व्हीलचेयर डोनेट की गई। रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट सदैव समाज सेवा के लिए तत्पर रहता है। तथा समय-समय पर समाज के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं किसी भी प्राकृतिक आपदा के समय समाज सेवा के लिए कार्य करने के लिए तत्पर रहता है। रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद चैरिटेबल ट्रस्ट के एक प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर के द्वारा दिव्यांगजनों को आर्टिफिशियल लिंब्स को लगवाने का कार्य किया जाता है रोटेरियन श्री वीरेंद्र सिंह ने इसके बारे में विस्तार से बताया। फ्लैग ऑफ सेरेमनी के इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ साहिबाबाद के गणमान्य सदस्य, महाविद्यालय के समस्त प्रवक्तागण एवं छात्र उपस्थित रहे।

अपराध नियंत्रण की दिशा में कार्य करते हुये इटावा पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संस्कार उजाला
मनोज पाठक इटावा

कब्जे से 01 अवैध तमन्चा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर किये गये बरामद । अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन, कानपुर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर के निर्देशन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के पर्यवेक्षण में थाना फ्रेण्डस कालोनी पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही । घटना/गिरफ्तारी का संक्षिप्त विवरणः जनपद में अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम की रोकथाम हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा द्वारा दिये गये निदेर्शों के क्रम में दिनांक 23.11.2024 को थाना फ्रेण्डस कालोनी पुलिस थाना क्षेत्रान्तर्गत विजय नगर चौराहे पर संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चैकिंग की जा रही थी । इसी दौरान 01 व्यक्ति को 01 अवैध तमन्चा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस सहित समय 08.37 बजे गिरफ्तार किया गया । उक्त बरमदगी/गिरफ्तारी के संबंध मे थाना फ्रेण्डस कालोनी पर मु0अ0सं0 340/24 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया ।
गिरफ्तार अभियुक्तगण-
1.देवराज यादव पुत्र कुन्तेश यादव निवासी नगला अजाब थाना सैफई जनपद इटावा हाल पता सैंट मारिया स्कूल के पास न्यू कालोनी थाना फ्रेण्डस कालोनी जनपद इटावा उम्र 24 वर्ष ।
बरामदगीः-
1.01 अवैध तमन्चा 315 बोर
2.02 जिन्दा कारतूस 315 बोर ।
पंजीकृत अभियोग-
मु0अ0सं0 340/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना फ्रेण्डस कालोनी जनपद इटावा ।
पुलिस टीम- निरी0 श्री बलराम मिश्रा प्रभारी थाना फ्रेण्डस कालोनी मय टीम ।

मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-05) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं/बालिकाओं को इटावा पुलिस द्वारा किया जागरुक

▶▶समस्त महिला बीटों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर महिलाओं की समस्याओं का किया जा रहा निस्तारण

▶▶महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया जा रहा है महिलाओं का सशक्तिकरण

संस्कार उजाला
मनोज पाठक इटावा

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में जनपद इटावा के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है । साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर - वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में, घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है ।

गाजियाबाद में संजीव शर्मा की जीत बीजेपी की नीति और कार्यकताओं के मनोबल की विजय है : नरेंद्र कश्यप

नरेंद्र कश्यप ने संजीव शर्मा को विधायक बनने पर दी बधाई , सर्टिफिकेट लेने साथ पहुंचे थे।

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)

विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजीव शर्मा ने रिकॉर्ड मतों से विजय हासिल करते हुए गाजियाबाद सीट पर फिर कमल खिलाने का काम किया है। संजीव शर्मा की जीत होने पर सर्टिफिकेट दिलवाने के लिए खुद उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप गोविंदपुरम स्थित अनाज मंडी पहुंचे थे। उन्होंने संजीव शर्मा को शहर विधायक बनने पर बधाई दी और भारतीय जनता पार्टी को जीत के लिए कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए इसे संजीव शर्मा की बेहतर नेटवर्क , स्वभाव और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों की तारीफ की। बता दें कि इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने संजीव शर्मा के चुनाव के लिए लगातार जनसंपर्क अभियान चलाने के साथ ही मुख्यमंत्री के रोड शो से लेकर अनेक कार्यक्रमों में संजीव शर्मा का समर्थन किया था। नरेंद्र कश्यप ने कहा विपक्ष पहले ही हार मान चुका था गाजियाबाद शहर सीट पर भारतीय जनता पार्टी की जीत होने पर संजीव शर्मा ने भाजपा का कमल खिलाया है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा है कि विधानसभा उपचुनाव के लिए विपक्ष पहले ही हार मान के बैठा हुआ था। विपक्ष के पास ठीक कैंडिडेट नहीं थे, तो वही जिस तरीके से सपा वाले बसपा का उम्मीदवार और बसपा वाले सपा के चेहरे पर चुनाव लड़ रहे थे। उससे साफ है की जीत भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजीव शर्मा की ही हर हाल में होगी। लाइन पार की जनता को मिलेगा फायदा उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने शहर विधायक संजीव शर्मा की जीत के लिए सभी को बधाई दी और कार्यकताओं का धन्यवाद दिया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि अब लाइन पार के क्षेत्र का विकास होगा। यहां पहले से ज्यादा विकास कार्य होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि संजीव शर्मा जिस प्रकार से पार्टी से लेकर पदाधिकारी के बीच पहचान रखते हैं उसका फायदा इलाके के लोगों को भी मिलेगा। इस मौके पर उन्होंने संजीव शर्मा को बधाई दी और कार्यकताओं के साथ जीत का जश्न मनाया।

ब्रहमपुत्र एनकलेव सेक्टर 10 मे चोरों ने मचाया उत्तपात, चार फलैटो से नगरी जेवर समेत लाखों का माल किया साफ

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)

विजय नगर थाना क्षेत्र के सिद्धार्थ विहार चौकी के अंतर्गत आने वाले ब्रह्मपुत्र एनक्लेव सेक्टर 10 में बीती रात आधा दर्जन से ज्यादा फलैटो मे धावा बोला ओर लोहे के दरवाजे काटकर तोड़कर नगदी जेवर समेत लाखों रुपए का सामान व गैस सिलेंडर चुरा ले गए। मजे की बात यह है की सोसायटी में एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी रहते हैं और कैमरे लगे हैं उसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था फेल हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंची और फलैटो का निरीक्षण किया और चोरों की तलाश की जा रही है। जानकारी के के अनुसार सिद्धार्थ द्वारा के ब्रह्मपुत्र एनक्लेव सेक्टर 10 में चोरों ने ब्लॉक 33/302 में रहने वाले पृथ्वीराज सिंह अपने परिवार के साथ मध्य प्रदेश शादी में गए हुए थे रात्रि के समय चोरों ने लोहे का दरवाजा तोड़ा और लकड़ी का काट कर अंदर घुसे फिर चोरों ने एक-एक चीज चांगली पृथ्वीराज की बहन सीता तोमर ने बताया कि घर से कर लाखों रुपए के जेवर नगदी एक गैस सिलेंडर आदि सामान चुरा ले गए इसके बाद ब्लॉक 66/ 202 में मनीष कुमार के यहां घुसे उसके यहां से भी नगदी जेवर समेत हजारों का सम्मान ले गए फिर इसके बाद ब्लॉक 38/ 204 में रहने वाले कैब चालक विकास के यहां से 30 हजार नगद व करीब 3 लाख के जेवर और गाड़ी की चाबी भी ले गए। इसके अलावा ब्लॉक 41/304 में से भी चोर नगदी जेवर समेत लाखो रुपए का सामान चुरा ले गए घटना की सूचना मिलते ही कई गाड़ियां कई गाड़ियां पुलिस की मौके कई गाड़ियां पुलिस के मौके पर पहुंची और मौके का निरीक्षण किया पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। लोगों का कहना है कि सोसाइटी की हर गली में कैमरे लगे होने के बावजूद चोरी कैसे हो गई चोरों का पता नहीं चल रहा और एक दर्जन से ज्यादा पुलिसकर्मी या निवास करते हैं उसके बावजूद चोरी हो कैसे गई जो दिन रात आते जाते हैं। कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार सिंह का कहना है कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा उनकी तलाशी में कई टीम में लगा दी गई है

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

आरकेजीआईटी में आई. ई. ई. ई. द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय एडवांसमेंट इन इलेक्ट्रॉनिक्स & कम्युनिकेशनस विषय पर चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 22-23 नवंबर को किया गया।

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)

दिनांक 23 नवंबर को कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ महेश अबगोकर (आई आई टी, डेल्ही) ने एंटीना में मेटासर्फेस का अनुप्रयोग के बारे में शोधार्थियों को शोध करने के लिए प्रेरित किया तथा डॉ हेमंता मोंडल (एन आई टी, दुगार्पुर) ने वीएलएसआई प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कैरियर कैसे बनाएं, पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। इस संगोष्ठी में डॉ एम.ए अंसारी (बी यू, ग्रे. नोएडा), डॉ सीलिया शहनाज (बी यू, बांग्लादेश) ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। इस दो दिवसीय संगोष्ठी में शोधकताओं ने 22-23 नवंबर को शोध पत्रों को प्रस्तुत किया गया, जिनका प्रकाशन आई ई ई ई एक्सप्लोर में किया जाएगा। संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम में सुमित पाण्डेय, श्रष्टि शर्मा, अनंत अग्रवाल अनुभि बंसल, अर्निका एवं प्रशांत कुमार को सर्वोत्तम शोध पत्र के लिए सम्मानित किया गया। इस संगोष्ठी में वेलिडिक्टरी सेशन के गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ सुमित मित्तल (प्रिंसिपल, एम-एम-यू, अम्बाला), संस्थान के ग्रुप एडवाइजर डॉ लक्ष्मण प्रसाद, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ डी के चौहान भी उपस्थित रहे। संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए संस्थान के वाइस चेयरमैन श्री अक्षत गोयल ने संयोजक डॉ आर के यादव एवं डॉ अमित सिंघल तथा विभाग के सभी सदस्यों को बहुत शुभकामनाएं दी एवं सभी सम्मानित अतिथियों का धन्यवाद किया। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ नेहा गोयल, डॉ बीरेंद्र कुमार सारस्वत, मिस चारु त्यागी, मिस ऋचा गुप्ता, श्री नितीश वशिष्ठ, डॉ शमीर्ला, अनुज कुमार, रेनू रानी, हस्मत उस्मानी आदि ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संजीव शर्मा को मिली जबरदस्त जीत पर प्रदीप चौधरी ने दी बधाई।

संस्कार उजाला
गाजियाबाद (आशा चौधरी)

भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजीव शर्मा को जबरदस्त जीत मिलने के बाद पार्टी के कार्यकताओं और नेताओं का बधाई देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने उनके घर जाकर उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रकट की। इस अवसर पर प्रदीप चौधरी ने कहा यह जीत जनता के विश्वास और पार्टी की नीतियों के साथ साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 2027 के विजन की विजय है एक बड़ी कामयाबी है। विधायक संजीव शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्र का विकास नई ऊंचाइयों को छुएगा। इस दौरान संजीव शर्मा ने भी प्रदीप चौधरी और अन्य कार्यकताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह जीत टीम वर्क और जनता के भरपूर समर्थन का परिणाम है। दोनों नेताओं के बीच चर्चा के दौरान क्षेत्र की विकास योजनाओं और प्राथमिकताओं पर भी मंथन हुआ। इस मुलाकात की तस्वीरें क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई हैं, जो पार्टी की एकजुटता और सामूहिक प्रयासों को दशार्ती हैं। बधाई देने वालों में हजारों लोगों के बीच दूधेश्वर नाथ बाबा का आशीर्वाद लेकर पूरे मंत्रोंचार के साथ वहां पहुंचे पुजारियों ने संजीव शर्मा को पुष्प माला पहना कर बधाई एवं आशीर्वाद दिया। संजीव शर्मा ने सिर झुकाकर सभी का अभिवादन किया। बधाई देने वालों में पुजारी मंडल,पंडित अशोक भारतीय, पार्षद पप्पू नागर, राजेश वर्मा मंसाराम ठेकेदार ,वेद प्रकाश ठेकेदार, आशु शर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011